प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-140 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 16 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा मथुरा, निकली भव्य रथयात्रा

गुरुवार को श्री कृष्ण जन्म स्थान से निकाली गई भगवान जगन्नाथ यात्रा के रथ को खींचते सचिव कपिल शर्मा, साथ में गोपश्वर नाथ चतुर्वेदी, डा. रोशन लाल अग्रवाल आदि।

मणिपुर के संकीर्तन और नृत्य ने बांधा श्रद्धा का समां

नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर किया रथयात्रा का स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवासंस्थान के तत्वावधान में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की भव्य रथयात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। सायंकाल श्रीकृष्ण जन्मस्थान से आरंभ हुई रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर जय जगन्नाथ के जयघोष के बीच रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया।

रथयात्रा से पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार और विधि–विधान के साथ भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के विग्रहों का दिव्य श्रृंगार कर उन्हें स्वर्णिम मुकुट धारण कर सुसज्जित काष्ठ रथ पर विराजमान कराया गया।

रथयात्रा के दौरान मणिपुर के पारंपरिक नृत्य पर झूमते कलाकार।

वृंदावन में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई।

लक्ष्मी नगर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

यूनिक समय, मथुरा। भगवान जगन्नाथ की 34वीं भव्य रथयात्रा गुरुवार को लक्ष्मीनगर स्थित जगन्नाथ मंदिर से प्रारंभ हुई। श्रद्धालुओं ने रथ की रस्सी खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। कामाख्या देवी मंदिर के सेवायत बंटी शर्मा ने बताया कि 34 वीं रथ यात्रा का समापन गुंडिचा मौसी के यहां हुआ। अब आठ दिन तक मंदिर परिसर में जगन्नाथ का फूल-बंगला, छप्पन भोग और भजन संध्या जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, डा. विनोद बनर्जी, डा. रोशन लाल, एसपी सुरक्षा राजकुमार अग्रवाल आदि ने ठाकुरजी की आरती उतारी। इसके बाद यात्रा का शुभारंभ हुया। ढोल–ताशों, बैंड और गौड़ीय संकीर्तन मंडल के भजन–कीर्तन के बीच मणिपुर से आए श्रद्धालुओं के पारंपरिक नृत्य और संकीर्तन ने भक्तों को भावविभोर कर दिया।

रथयात्रा डीग गेट, मंडी रामदास, चौक बाजार, स्वामीघाट, राजाधिराज बाजार, छत्ता बाजार, तिलक द्वार और भरतपुर दरवाजा सहित विभिन्न मार्गों से होकर निकली। जगह–जगह श्रद्धालुओं और व्यापारिक संगठनों ने भगवान की आरती उतारकर पुष्पवर्षा की और शर्बत, जल और प्रसाद वितरित किया। समापन पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में महाआरती और विशाल प्रसादी भंडारे का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान जगन्नाथ से सुख, समृद्धि और लोककल्याण की प्रार्थना की।

सोनम वांगचुक की सेहत पर हाईकोर्ट सख्त

सरकारी डॉक्टर करें नियमित जांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने अदालत को भरोसा दिलाया कि वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति पर सरकारी डॉक्टर लगातार नजर रख रहे हैं और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह के अनुसार तत्काल कदम उठाए जाएंगे।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने कहा कि प्रत्येक नागरिक का जीवन महत्वपूर्ण है। अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया कि वांगचुक की नियमित स्वास्थ्य जांच कराई जाए और डॉक्टरों की रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए।

सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि विशेषज्ञों की टीम लगातार उनकी सेहत की निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा कि मेडिकल टीम की सलाह मिलने पर सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। यह याचिका अधिवक्ता राकेश कुमार सैनी ने दायर की थी, जिसमें वांगचुक को उचित चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा और आवश्यक पोषण उपलब्ध कराने की मांग की गई थी।

सोनम वांगचुक 28 जून से जंतर–मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। इस दौरान उनकी सेहत में गिरावट दर्ज की गई है। चिकित्सकों के अनुसार उनका वजन 9 किलोग्राम से अधिक कम हो चुका है, हालांकि ब्लड प्रेशर, शुगर और ऑक्सीजन स्तर की लगातार निगरानी की जा रही है।

अनशन की यह है वजह

यूनिक समय, नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका कहना है कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और छात्रों के साथ न्याय सुनिश्चित होना चाहिए। इसी मांग के समर्थन में उन्होंने शांतिपूर्ण आंदोलन और अनशन का रास्ता अपनाया है।

वृंदावन में निकाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

वृंदावन में निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। बांकेबिहारी की नगरी गुरुवार को भगवान जगन्नाथ मय हो गई। विभिन्न मंदिरों से निकाले छोटे–बड़े भगवान जगन्नाथ के रथ ज्ञान गुदड़ी स्थित गोपी-उद्धव संवाद स्थल पर पहुंचे तो भक्त भगवान जगन्नाथ की भक्ति में डूबे नजर आए।

भगवान जगन्नाथ के स्वस्थ्य होने पर सुबह प्रमुख मंदिरों में भगवान को स्नान कराकर श्रंगार किया, आरती उतारी। दोपहर बाद रथों को सजाकर भगवान जगन्नाथ को विराजमान कर यात्रा निकाली गई। देर सायं सभी रथ ज्ञान गुदड़ी स्थित गोपी- उद्धव संवाद स्थल पर पहुंचे, जहां श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर जय–जयकार

गोपी–उद्धव संवाद स्थल पर मेला सा नजारा

करने लगे। चैतन्य विहार द्वितीय खंड में त्रिड़ंडी स्वामी निमी गोस्वामी के सानिध्य में रथ यात्रा सेक्टर पांच से निकाली। ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में बड़े गोसाई आचार्य कनिका प्रसाद के सानिध्य में रथयात्रा निकाली गई। महाआरती के समय शंखध्वनि, घंटे–घड़ियाल और मृदंग की थाप पर भक्त झूमते नजर आए। आचार्य कनिका प्रसाद स्वयं सोहनी सेवा करते हुए चल रहे थे। इस मौके पर मंदिर के सेवायत आचार्य दामोदर चंद्र गोस्वामी और महामंडलेश्वर सत्यानंद सरस्वती गिरी उपस्थित थे।

सराफा बाजार में गिरते दामों के बावजूद खरीदारी सुस्त

ग्राहकों के इंतजार में खाली पड़ा राधारानी ज्वैलर्स शोरूम।

बीते एक साल में सोने-चांदी के दामों का उतार-चढ़ाव

सोना (24 कैरेट, प्रति 10 ग्राम)
- जुलाई 2025 : 82,000-90,000
- जनवरी 2026 :1,76,000
- जुलाई 2026 : 1,40,000

चांदी (प्रति किलोग्राम)
- जुलाई 2025 : 1,00,000-1,04,000
- जनवरी 2026 : 3,86,000
- जुलाई 2026 : 2,20,000

घटे भाव, फिर भी सराफा बाजार में नहीं लौटी रौनक

ग्राहक कर रहे कीमतों में और नरमी का इंतजार

त्योहारी और वैवाहिक सीजन से कारोबारियों को उम्मीद

यूनिक समय, मथुरा। बीते कुछ महीनों में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोना और चांदी की कीमतों में लगातार नरमी आ रही है, लेकिन शहर और कस्बों के सराफा बाजार में कारोबार उम्मीद के अनुरूप गति नहीं पकड़ पाया है। कीमतें कम होने के बाद भी अधिकांश ग्राहक खरीदारी से दूरी बनाए हुए हैं और बाजार के रुख पर नजर रख रहे हैं।

सराफा कारोबारियों का कहना है कि इस समय बाजार में केवल वही ग्राहक पहुंच रहे हैं, जिन्हें तत्काल जरूरत है। निवेश के उद्देश्य से खरीदारी करने वाले और शादी-विवाह के लिए पहले से आभूषण खरीदने वाले ग्राहक अभी इंतजार की नीति अपना रहे हैं। उनका मानना है कि यदि आने वाले दिनों में कीमतों में और गिरावट आती है तो उन्हें अधिक लाभ मिल सकता है।

व्यापारियों के अनुसार, कुछ समय पहले सोने और चांदी के दामों में आई तेज बढ़ोतरी ने आम ग्राहकों की खरीद क्षमता को प्रभावित किया था। अब भले ही कीमतों में कमी आई हो, लेकिन ग्राहकों का विश्वास पूरी तरह लौटता नजर नहीं आ रहा है। अधिकांश लोग जल्दबाजी में खरीदारी करने के बजाय बाजार की स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार कर रहे हैं।

कारोबारियों का कहना है कि आगामी 10 से 15 दिन बाजार के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। यदि इस दौरान कीमतें स्थिर रहती हैं या उनमें हल्की तेजी आती है तो ग्राहकों का भरोसा बढ़ सकता है।

सर्राफा कारोबारियों की बात

सर्राफा कारोबारी छैलबिहारी ने बताया कि कुछ महीने पहले सोने-चांदी के दाम लगातार बढ़ रहे थे, ग्राहकों ने खरीदारी टाल दी थी। अब कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन लोग अभी भी इंतजार कर रहे हैं। अधिकांश ग्राहकों का कहना है कि यदि भाव में थोड़ी और नरमी आती है तो वे खरीदारी करेंगे।

सर्राफा कारोबारी मनीष सिंघल ने बताया कि रक्षाबंधन, हरियाली तीज और आगामी वैवाहिक सीजन की तैयारियों के चलते आभूषणों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। विश्वास है कि त्योहारों की शुरुआत के साथ सराफा बाजार में फिर से रौनक लौटेगी और कारोबार में सुधार भी देखने को मिलेगा।

किशोरी से दुराचार के प्रयास में तीन को छह साल की सजा

39 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश/ अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट) कक्ष संख्या दो ब्रिजेश कुमार द्वितीय ने तीन अभियुक्तों को घर में घुसकर एक किशोरी के साथ दुराचार का प्रयास करने और परिवार के लोगों के साथ मारपीट करने पर तीन अभियुक्तों को छह साल के कठोर कारावास और 39 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी रागनी गांधी और विशेष लोक अभियोजक (पोक्सो एक्ट) रामपाल सिंह ने बताया कि थाना नौहझील के गांव में नौ अप्रैल 2018 को समय करीब सात बजे शाम को वादी अपनी दो पुत्रियों, पत्नी और लड़के के साथ बैठा हुआ था। तभी गांव के ही आकाश उर्फ निकुंज, मनीष और श्यामबाबू उसके घर में जबरदस्ती घुस आए और कहने लगे कि कमीन खटीक तू आज उसके भाई रामबाबू के धरना-प्रदर्शन में क्यों नहीं गया। इसके बाद उसकी बेटी के सीने पर हाथ मारा और धक्का देकर उसे नीचे गिरा लिया उसके कपड़े फाड़ दिए और दुराचार का प्रयास किया। पुत्रियों के शोर करने जब बचाने का प्रयास किया तो इन लोगों ने परिवार के लोगों के साथ मारपीट की। डॉयल112 को फोन किया गया, लेकिन पुलिस नहीं आई। थाने में भी उसकी रिपोर्ट दर्ज नही की गई। इसके बाद किसी तरह मामले की रिपोर्ट दर्ज हुई। विवेचना करने वाले अधिकारी ने अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश/ अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट) कक्ष संख्या दो ब्रिजेश कुमार द्वितीय की कोर्ट में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों और सरकारी अधिवक्ताओं द्वारा दी गई दलीलों के बाद अभियुक्तों को उक्त सजा से दंडित किया।

नगर आयुक्त ने विकास योजनाओं की प्रगति से सीएम को कराया अवगत

अब बदलेगी मथुरा-वृंदावन की तस्वीर

ब्रज विकास को मिली नई दिशा, मुख्यमंत्री ने दिए स्पष्ट निर्देश

स्वच्छता, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं पर रहेगा विशेष फोकस

मथुरा-वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर ब्रज क्षेत्र के समग्र विकास, स्वच्छता, पर्यटन और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ब्रज की सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक विकास कार्यों को गति देने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मथुरा-वृंदावन केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। उन्होंने निर्देश दिए कि यहां आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर यातायात, स्वच्छ वातावरण, आधुनिक आधारभूत सुविधाएं और सुरक्षित परिवेश उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यमुना तट के सौंदर्यीकरण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियानों को और प्रभावी बनाने पर भी बल दिया।

मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं में ब्रज की पारंपरिक संस्कृति और धार्मिक स्वरूप को बनाए रखने की आवश्यकता बताते हुए जनभागीदारी, पारदर्शिता और आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकास कार्य ऐसे हों, जो भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के साथ ब्रज की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक गरिमा को भी संरक्षित रखें।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने मुख्यमंत्री को नगर निगम द्वारा संचालित स्वच्छता अभियान, डिजिटल सेवाओं, आधारभूत ढांचे के विकास और शहर को सुव्यवस्थित बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जनहित से जुड़ी परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम आने वाले समय में यातायात प्रबंधन, हरित क्षेत्र के विस्तार, कचरा प्रबंधन और पर्यटन सुविधाओं को और मजबूत बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाएगा, ताकि मथुरा-वृंदावन को स्वच्छ, सुंदर और विश्वस्तरीय धार्मिक नगरी के रूप में विकसित किया जा सके।

एसएसपी ने 37 निरीक्षक और उप निरीक्षकों के किए तबादले

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने एक बार फिर कानून व्यवस्था को मजबूत करने और आगामी त्योहार को देखते हुए बड़े पैमाने पर 37 निरीक्षक और उप निरीक्षकों के थाना- चौकियों पर स्थानांतरण किए हैं।

एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन से प्रवेश राणा को प्रभारी आईजीआरएल सेल, अरविंद सिंह को अतिरिक्त निरीक्षक अपराध थाना शेरगढ़, सत्यप्रकाश को थाना कोसीकलां में अतिरक्त निरीक्षक, संजय सिंह को थाना साइबर क्राइम, शिव प्रसाद सिंह को अपराध शाखा, मुकेश कुमार शर्मा को पूर्व स्थानांतरण निरस्त करने के बाद अतिरिक्त निरीक्षक थाना साइबर क्राइम, अनिल मिश्रा को प्रभारी आईजीआरएल सेल अपराध

शाखा, रामजन्म गौतम को थाना छाता से हुए पूर्व स्थानांतरण निरस्त कर दिया गया है। बॉबी कुमार को थाना साइबर क्राइम से अतिरिक्त निरीक्षक वृंदावन, उज्जवल शर्मा चौकी प्रभारी कस्बा राया से थाना मगोर्रा, इंतजार को थाना बल्देव से चौकी प्रभारी कस्बा राया, आजाद सिंह को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी मसानी थाना गोविंदनगर, महेद्र सिंह को

कई को चौकी इंचार्ज बनाया, कई थानों से उप निरीक्षको को भेजा केजेएस

चौकी प्रभारी मसानी को चौकी प्रभारी बठैन गेट कोसीकलां, महिला उप निरीक्षक पारुल मिश्रा को वरिष्ठ उप निरीक्षक बल्देव, रामस्वरूप को पुलिस लाइन से थाना राया, विश्मभर सिंह को केजेएस, नरेद्र सिंह को थाना हाइवे, सुधीर कुमर को थाना गोविंदनगर, मनोज कुमार को केजेएस, संतोष कुमार को थाना महावन, दुर्गेश सिंह को बिहारी जी मंदिर सुरक्षा, सत्येद्र सिंह को थाना शेरगढ़, अरुण कुमार को केजेएस, अविनेश कुमार को बिहारी जी मंदिर सुरक्षा, जयवीर सिंह को थाना गोविंदनगर, राजकुमार तोमर को थाना वृंदावन से केजेएस, नाहर सिंह को थाना गोविंदनगर को केजेएस, संजीव कुमार को केजेएस, मुनीष कुमार को थाना सदर बाजार से केजेएस, हीरालाल को सदर बाजार से केजेएस, मैमपाल सिंह को थाना वृंदावन से केजेएस, जयकेश थाना छाता से केजेएस,मोहर पाल सिंह को थाना मांट से केजेएस, रामबीर सिंह को कोतवाली से केजेएस, मान सिंह को थाना यमुनापार से केजेएस. राकेश कुमार को थाना बल्देव से केजेएस, महिला उप निरीक्षक का पूर्व में किया गया छाता स्थनानंतरण कर थाना राया भेजा गया है।

सुरीर में दीवार बनाने को दो पक्ष भिड़े

एक पक्ष ने पीआरवी पर पथराव कर शीशे तोड़े

सीओ ने भारी फोर्स के साथ पहुंचकर स्थिति पर पाया काबू

गांव में पुलिस तैनात स्थिति पर रखी जा रही है नजर

यूनिक समय, सुरीर। कोतवाली क्षेत्र के गांव बेरा में गुरुवार को दीवार निर्माण को लेकर दो पक्ष आमने- सामने आ गए। विवाद उस समय हिंसक हो गया, जब मौके पर पहुंची पुलिस पर ही एक पक्ष ने हमला बोल दिया। भीड़ ने पुलिस वाहन को घेर लिया और शीशे तोड़ दिए और पुलिसकर्मियों के साथ जमकर अभद्रता की। घटना की जानकारी पर सीओ मांट भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया।

सुबह गांव बेरा निवासी संदीप कुमार और कुमरपाल के बीच सड़क किनारे दीवार निर्माण को लेकर विवाद हो गया। संदीप पक्ष निर्माण कराने पर अड़ा हुआ था, जबकि कुमरपाल पक्ष दीवार बनाने का विरोध कर रहा था। इस बात को लेकर दोनों ही पक्ष एक दूसरे के आमने–सामने आ गए और विवाद बढ़ गया। बात मारपीट पर पहुंच गई। इस पर संदीप ने डायल112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पीआरवी टीम जब दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास कर रही थी, तभी कुमरपाल पक्ष के कुछ लोग उग्र हो गए। आरोप है कि उन्होंने पुलिस वाहन के सामने खड़े होकर उसे रोकने की कोशिश की, पुलिसकर्मियों से अभद्रता की और बाद में वाहन पर पथराव और तोड़फोड़ कर उसके शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए। पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने इस बारे में थाना सुरीर और सीओ को सूचना दी। कुछ ही देर में सीओ मांट भारी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ गांव पहुंच गए। सीओ ने दोनों पक्षों को समझा कर स्थिति को नियंत्रित किया। कुछ ग्रामीणों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

सीओ ने क्षतिग्रस्त पुलिस वाहन का निरीक्षण किया और वायरल वीडियो को भी जांच के लिए कब्जे में लिया है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उपद्रव करने वालों की पहचान की जा रही है। दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

जीआरपी ने पकड़े दो मोबाइल चोर

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने प्लेटफॉर्म संख्या आठ के समीप बने पार्क से दो मोबाइल चोरों को चोरी के मोबाइलों के साथ गिरफ्तार किया है।

जीआरपी मथुरा जंक्शन प्रभारी प्रदीप कुमार, वरिष्ठ उप निरीक्षक ललित भाटी और उप निरीक्षक प्रवेंद्र कुमार पुलिस कर्मियों के साथ स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था और वांछित अभियुक्तों की तलाश में स्टेशन पर चेकिंग-गश्त कर रहे थे। पुलिस टीम को एक सूचना मिली की कि प्लेटफॉर्म संख्या आठ के समीप बने पार्क में दो शातिर चोर मौजूद हैं। पुलिस टीम ने मौके से अभियुक्त देवेंद्र निवासी ग्राम बाधाऊ थाना आदर्शनगर मऊ दरवाजा जिला फर्रुखाबाद और बीरेंद्र निवासी ग्राम बंजरमेरी थाना मूसाझाग जिला बदायूं को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से स्टेशन से चोरी हुए दो मोबाइल बरामद किए है।

रेलवे ट्रेक पर मिला शव, परिवारी जनों ने जताया हत्या का शक

ट्रेक पर धड़ से अलग मिला था सिर

युवक की बाइक भी एक स्थान पर खड़ी मिली

यूनिक समय, मथुरा। फरीदाबाद की कंपनी से जॉब करने के बाद लौटते युवक का शव कोसीकलां क्षेत्र स्थित रेलवे ट्रेक पर मिला। युवक की गर्दन धड़ से अलग थी। परिवार के लोगों ने उसके साथ किसी अनहौनी की जताई आशंका।

गांव पल्ला फरीदाबाद निवासी युवक अरुण कुमार(24) पुत्र सुभाष फरीदाबाद में किसी कंपनी में जॉब करता था। हर रोज की तरह वह बाइक से बुधवार को कंपनी में जॉब पर गया। इसके बाद वह घर नहीं लौटा, देर रात पुलिस ने उसके बारे में सूचना दी कि उसका शव कोसीकलां थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रेक पर पड़ा मिला है। इस सूचना से अरुण के परिवार में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों के साथ अन्य लोग भी थाना कोसीकलां पहुंचे। परिवार के लोगों ने बताया कि उसकी बाइक पुलिस चौकी के समीप खड़ी हुई थी। इसके साथ ही उसका शव रेलवे लाइन पर धड़ से सिर अलग पड़ा मिला। परिवार के लोगों का कहना है कि उसकी अच्छी खास जॉब थी। इसके साथ कहीं कुछ ऐसा नहीं लग रहा था कि वह किसी बात को लेकर परेशान है। अगर उसे आत्महत्या करनी ही होती तो वह फरीदाबाद में कर सकता था, आत्महत्या करने के लिए उसे इतनी दूर जाने की क्या जरूरत थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिवारीजनों को सौंप दिया।

अज्ञात युवक का शव मिला

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना कस्बे से पुलिस ने एक अज्ञात युवक (35)का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। काफी प्रयास के बाद भी युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस का मानना है कि युवक भीख मांगने वाल प्रतीत हो सकता है।

स्कूटी से गांजा ले जाते युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां पुलिस ने एक अभियुक्त को चेकिंग के दौरान स्कूटी से गांजा ले जाते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने न्यू बाइपास कोसीकलां एनएच19 गोपाल बाग चौकी क्षेत्र में अभियुक्त टीटू उर्फ सुंदर निवासी लाड़पुर थाना छाता को टीवीएस स्कूटी पर जाते हुए चेकिंग के लिए रोक लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से तीन किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। वह गांजे को बिक्री करने के लिए ले जा रहा था।

मंडलायुक्त ने गोकुल में रामलीला मैदान का किया निरीक्षण

गोकुल में टीएफसी का निरीक्षण करते मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप। साथ है नगर पंचायत चेयरमैन संजय दीक्षित।

यूनिक समय, गोकुल। मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने गोकुल के टीएफसी और रामलीला मैदान का निरीक्षण किया। नगर पंचायत के अध्यक्ष संजय दीक्षित की मांग पर उन्होंने कहा कि एक बार पहले शासन को प्रस्ताव भेजा था, स्वीकृति नहीं मिली थी। दोबारा से शासन को रामलीला मैदान का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

अध्यक्ष संजय दीक्षित ने कहा कि गोकुल के रामलीला मैदान में हजारों लोग रामलीला देखने के लिए आते हैं, उन्हें बैठने के लिए स्थान नहीं रहता ह। यहां बच्चों के लिए खेलने का एक मैदान और गेट, लाल पत्थर वाली बाउंड्री वॉल बनवाकर लाइटिंग लगाई जाए। चेयरमैन ने प्राचीन पतित पावन कुंड, गोपतलाई, कमल कुंड, श्री कुंड,और अष्ट सखी घाट में जल भराव की समस्या से अवगत कराया।

स्कूल में उतरने के दौरान बस से कुचलकर बच्चे की मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने की स्कूल में तोड़-फोड़

शव को गोवर्धन चौराहे पर रख लगाया जाम

जाम खुलवाने को लेकर पुलिस से हुई धक्का-मुक्की

कई थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंच संभाली स्थिति

काफी प्रयास के बाद बच्चे का शव पोस्टमार्टम को भेजा

जाम खुलवाने के लिए नाराज लोगों को समझाते पुलिसकर्मी।

यूनिक समय,मथुरा। गुरुवार को थाना जैंत क्षेत्र के गांव पेलखू में स्कूल की बस से उतरने के दौरान चालक ने बस को आगे बढ़ा दिया, जिससे बच्चे की बस के टायर से कुचलने के बाद मौत हो गई। इसके बाद चालक बस को छोड़ कर भाग गया। बच्चे की मौत की खबर से पिता और गांव के लोगों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा और तोड़फोड़ की।

मृतक नितिन का फाइल फोटो।

छात्र के शव को गोवर्धन चौराहे पर रख कर जाम लगा दिया। जाम के दौरान पुलिस और ग्रामीणों में धक्का मुक्की हुई। कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा, तब जाकर स्थिति को काबू में किया गया।

पेलखू गांव के रहने वाले गंगदेव का बेटा नितिन सात साल गांव के ही तिलक सिंह इंटर कालेज के प्राइमरी सेक्शन में कक्षा दो में पढ़ता था। प्रातः वह बस से स्कूल के लिए गया। स्कूल पहुंचने के बाद चालक ने बस को रोक दिया।

नितिन जैसे ही बस से नीचे उतरने लगा, चालक ने बस को आगे बढ़ा दिया। नितिन इसके चलते नीचे गिर गया और बस के पहिए के नीचे आकर कुचल गया। नितिन की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद चालक बस को छोड़कर भाग गया। बताया गया कि चालक नशे में था।

बच्चे के पिता गंगदेव को जब इस हादसे का पता लगा तो वह परिवारीजनों सहित काफी संख्या में ग्रामीण स्कूल पहुंच गए। नितिन के शव को देख ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। इसके बाद ग्रामीणों ने स्कूल के गेट पर लगे कांच तोड़ दिए और जमकर हंगामा किया।

आक्रोशित ग्रामीण बच्चे के शव को लेकर गोवर्धन चौराहे पर पहुंचे और जाम लगा दिया। जाम लगने की खबर लगने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिस ने जाम करने वाले लोगों को काफी समझाया, ग्रामीण बस के चालक को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। इसके चलते पुलिस और ग्रामीणों के बीच धक्का-मुक्की तक हो गई। स्थिति को बिगड़ते देख पुलिस ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी।

कुछ ही देर में पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद कई थाने की फोर्स भी आ गई।

एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि स्कूल में बस बैक करते समय एक बच्चे की टायर के नीचे आकर मौत हो गई। इसके बाद स्कूल में तोड़ फोड़ और प्रबंधन के साथ बदसलूकी हुई। घटना को लेकर जाम लगाया गया था। पुलिस ने समझा-बुझा कर जाम को खुलवा दिया। इसके बाद बच्चे के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

जाम में फंसे रहे वाहन

यूनिक समय, मथुरा। जाम के दौरान हाइवे पर वाहनों के पहिए थम गए। इसके चलते काफी लंबा जाम लग गया। जाम में फंसे वाहनों को निकलवाने के लिए पुलिस को काफी प्रयास करना पड़ा।

शव गोद में लेकर पिता कर रहा था विलाप

हादसे में बेटे की मौत के बाद उसका शव गोद में लेकर रोता पिता।

स्कूल में बस के टायर से कुचल कर हुई नितिन की मौत पर पिता गंगदेव उसके रक्त रंजित शव को गोद में लेकर बुरी तरह बिलख-बिलख कर बुरी तरह से रोता रहा। पिता की इस स्थिति को देख वहां मौजूद लोगों दिल भी कांप गए, तमाम लोगों की आंखों से आंसू निकल पड़े।

मुड़िया मेले की सुरक्षा में ड्रोन कैमरे से होगी चौबीस घंटे निगरानी

चौबीस घंटे मेले पर रहेगी अधिकारियों और पुलिस की नजर

183 सीसी टीवी कैमरों और 31 वॉचटावरों से होगी निगरानी

ड्रोन भी मंडराएंगे मेला परिसर में, हरओर रखी जाएगी निगाह

यूनिक समय,मथुरा। 23 जुलाई से शुरु हो रहे मुड़िया मेले में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। मेले में चोर- उचक्कों और अपराधिक प्रवृत्तियों के लोगों पर पुलिस की नजर रहेगी। परिक्रमा मार्ग के हर पल की खबर ड्रोन से परखी जाएगी। पुलिस प्रशासन ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुखता इतंजाम किए गए हैं।

गोवर्धन में लगने वाले मुड़िया मेले की सुरक्षा व्यवस्था को जिला प्रशासन ने पूरी तरह तैयारी की है। पिछले साल के मेले के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए इस बार और अधिक कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। एसपी ग्रामीण सुरेशचंद रावत ने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर पुलिस की इस बार नजर रहेगी। कहीं भी वारदात होते ही पुलिस मौके पर पहुंचेगी। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पूरे मेला क्षेत्र को नौ सुपर जोन 21 जोन और 62 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सुपर जोन और सेक्टरों में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी तैनात रहेंगे। सभी अधिकारी 24 घंटे मेले की निगरानी करेंगे, जिससे व्यवस्था सुचारू रहे।

उन्होंने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र पर नजर रखने के लिए 183 सीसी टीवी कैमरों को इस तरह लगाया गया है, जिससे मेला क्षेत्र में हर छोटी से छोटी घटना भी सीसी कैमरों में कैद होगी। इसके साथ मेले में 31 वॉच टावर लगाए गए हैं, वॉच टावरों पर बैठकर पुलिस कर्मी मेले में चल रहे लोगों पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही 350 पब्लिक एड्रेस सिस्टम, छह स्थाई चौकियों के अलावा 37 अस्थाई चौकियां बनाई गई हैं, जिन पर पुलिसकर्मी 24 घंटे तैनात रहेंगे। इसके अलावा मोबाइल में पुलिसकर्मी रहेंगे, सुरक्षा के लिए पीएसी और अन्य सुरक्षा बल भी तैनात रहेंगे।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने अमर जवान ज्योति पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से किया संवाद

यूनिक समय, मथुरा। नवागत जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमांडर जगबीर सिंह ने अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के पदाधिकारियों, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के साथ अमर जवान ज्योति पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। पदभार ग्रहण करने के बाद कमांडर जगबीर सिंह ने कहा कि उनकी सेवाएं पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों के कल्याण और हितों के लिए पूर्ण समर्पित रहेंगी। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की समस्याओं के समाधान-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जिलाध्यक्ष चौधरी रामपाल सिंह,विजयपाल सिंह, बलबीर सिंह, डॉ.रमेश चंद, हरिओम सिंह, भगवान सिंह, जोगेंद्र सिंह, राधारमण शर्मा, धर्मेंद्र सिंह, नेपाल सिंह, लालचंद कुशवाह, सुरेश बाबू, केसी ठकुरेला, वीरेश, मनोज कुलश्रेष्ठ, वीर नारियां और कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

अमर जवान ज्योति पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते नवागत जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कंमाडर जगबीर सिंह, पूर्व सैनिक और वीर नारी।

हंसता आईना

मुड़िया पूर्णिमा मेले से पहले बिजली विभाग बेपरवाह, हादसे का बढ़ा खतरा

भूतेश्वर स्थित बिजली के खंभे बारिश में बनेंगे मुसीबत।

यूनिक समय, मथुरा। बरसात का मौसम शुरू हो चुका है, मुड़िया पूर्णिमा मेले में अब कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे समय में बिजली विभाग की लापरवाही सामने आ रही है। शहर के नए बस अड्डे से भूतेश्वर जाने वाले मार्ग पर और शहर के कई इलाकों में बिजली के खंभों पर अब तक सुरक्षा के लिए प्लास्टिक कवर नहीं लगाए गए हैं। बारिश के दौरान यह लापरवाही कभी भी बड़े हादसे की वजह बन सकती है।

हर साल बारिश से पहले बिजली विभाग बिजली के खंभों और बिजली के उपकरणों को बारिश से सुरक्षित रखने के लिए उन पर प्लास्टिक कवर लगाता है। इससे करंट फैलने और शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाओं का खतरा कम हो जाता है। लेकिन इस बार बारिश शुरू होने के बाद भी कई जगह यह काम नहीं किया गया है। नए बस अड्डे से भूतेश्वर जाने वाला मार्ग शहर का सबसे व्यस्त रास्तों में से एक है। इसी रास्ते से हर दिन हजारों लोग गुजरते हैं। मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान लाखों श्रद्धालु भी इसी मार्ग का इस्तेमाल करेंगे। इसके बावजूद बिजली विभाग ने अब तक यहां जरूरी सुरक्षा व्यवस्था नहीं की है।

नए बस अड्डे-भूतेश्वर मार्ग पर खुले पड़े बिजली के खंभे

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि लगातार बारिश हुई और खुले बिजली के उपकरणों में करंट आ गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। अभी तक कोई दुर्घटना नहीं हुई है, लेकिन इसे किस्मत ही कहा जा सकता है। लोगों का कहना है कि विभाग को किसी हादसे का इंतजार नहीं करना चाहिए। एक ओर जिला प्रशासन मेले की तैयारियों को लेकर लगातार बैठकें कर रहा है, वहीं दूसरी ओर बिजली विभाग की सुस्ती चिंता बढ़ा रही है। श्रद्धालुओं और आम लोगों की सुरक्षा को देखते हुए विभाग को तुरंत सभी बिजली के खंभों और उपकरणों पर सुरक्षा कवर लगाना चाहिए।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बेसहारा गोवंश को मिलेगा नया आश्रय, बनेंगे दस संरक्षण केंद्र

चार हजार से अधिक गोवंश के संरक्षण की बनेगी व्यवस्था

बल्देव और गोवर्धन सहित कई क्षेत्रों में जमीन चिन्हित

यूनिक समय, मथुरा। जिले में बेसहारा गोवंश के संरक्षण को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। शासन के निर्देश पर मथुरा में 10 नए वृहद गो संरक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों के शुरू होने के बाद चार हजार से अधिक निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय, चारा और बेहतर देखभाल की सुविधा मिल सकेगी। योजना से सड़कों पर घूमने वाले गोवंश की संख्या कम होने के साथ किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान में भी कमी आने की उम्मीद है।

पशुपालन विभाग के अनुसार, प्रत्येक वृहद गो संरक्षण केंद्र के निर्माण और आवश्यक सुविधाओं पर लगभग 1.60 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन केंद्रों में गोवंश के लिए शेड, चारा भंडारण, स्वच्छ पेयजल, उपचार की व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। शासन स्तर पर योजना को जल्द धरातल पर उतारने की तैयारी की जा रही है।

विभाग ने बल्देव के गांव सैदपुर और गोवर्धन क्षेत्र के मगोर्रा, बड़ौता सहित कई स्थानों पर भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जमीन उपलब्ध होने के बाद निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से कराया जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि ऐसे स्थानों का चयन किया जा रहा है, जहां गोवंश की देखभाल सुचारु रूप से की जा सके और स्थानीय निकायों को भी संचालन में सुविधा मिले।

पशुपालन विभाग के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनएन शुक्ला ने बताया कि नए संरक्षण केंद्र बनने से मौजूदा गोशालाओं पर दबाव कम होगा। साथ ही घायल और निराश्रित गोवंश को समय पर संरक्षण और उपचार मिल सकेगा। शासन की इस पहल से गो संरक्षण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की समस्याओं को कम करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि एक वृहद गो संरक्षण केंद्र बल्देव के सैदपुर में, एक गोवर्धन के मगोर्रा में और छह बड़ौता में निर्मित होंगे।

स्व. श्रीमती रीता शर्मा
17.07.2019

सप्तम पुण्यतिथि

आंगन सूना नैना सूने, सूने हैं त्यौहार
सूने-सूने दिन और रैना, सूना है परिवार

आज आपकी सप्तम पुण्यतिथि पर हम सब परिवारीजन श्रद्धानवत् एवं अश्रुपूरित नेत्रों से विनम्र श्रद्धाजंलि अर्पित करते है।

श्रद्धानवत्

विजय कुमार शर्मा (MVDA) (पति)
अकिंता शर्मा एडवोकेट (पुत्री), अर्जुन शर्मा (पुत्र)

लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान का मिला आश्वासन

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का अभिनंदन करते शिक्षक।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का शिक्षकों ने किया अभिनंदन

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में सहयोग का किया आह्वान

यूनिक समय, फरह। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की इकाई ने नवागत खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र तंवर का सम्मान किया। संघ पदाधिकारियों ने उन्हें सम्मानित करते हुए क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।

संघ के अध्यक्ष ललित कुमार रावत ने शिक्षकों की लंबे समय से लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने वेतन विसंगतियों के निस्तारण, एरियर भुगतान, चिकित्सा अवकाश की समय पर स्वीकृति और विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया। उम्मीद जताई कि नए खंड शिक्षा अधिकारी इन समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक पहल करेंगे।

खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र तंवर ने शिक्षकों की सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए भरोसा दिलाया कि उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। शिक्षकों और विभाग के बीच बेहतर समन्वय से शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सभी शिक्षकों से सहयोग की अपील की।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ संजीव कुमार यादव, नवीन यादव सहित कई शिक्षकों ने भी विचार जताए। संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रजेश शर्मा ने किया। समारोह में संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

सीडीओ ने किया कस्तूरबा विद्यालय का औचक निरीक्षण

व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निरीक्षण करतीं सीडीओ डॉ.पूजा गुप्ता, साथ में बीएसए रतन कीर्ति।

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को सीडीओ डा. पूजा गुप्ता ने चौमुहां ब्लाक के गांव अकबरपुर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का अचानक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कई व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, वहीं कुछ कमियों पर उन्होंने सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि छात्राओं की पढ़ाई, सुरक्षा और रहने की व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान सीडीओ को भूतल पर कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं के लिए बने आवासीय कमरों में फर्नीचर रखा मिला। उन्होंने निर्देश दिया कि फर्नीचर को किसी एक अलग कक्ष में सुरक्षित रखा जाए और बाकी कमरों का उपयोग छात्राओं के रहने के लिए किया जाए, जिससे उन्हें बेहतर सुविधा मिल सके। हाल में रखी स्टेशनरी और संगीत के उपकरणों को सही से रखने को कहा गया। उन्होंने विद्यालय में रह रही छात्राओं के साथ मिलकर पौधारोपण किया। छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाते हुए प्रत्येक छात्रा से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि पौधे केवल हरियाली ही नहीं बढ़ाते, बल्कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं बीएसए रतनकीर्ति ने विद्यालय के अध्यापकों से विद्यालय के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि पूरे विद्यालय परिसर में नियमित साफ-सफाई की जानी चाहिए। सप्ताह में कम से कम एक दिन विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए।

28 जुलाई को होगी यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की कपार्टमेंट-इम्प्रूवमेंट परीक्षा

यूनिक समय,मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की हाईस्कूल इम्प्रूवमेंट/कंपार्टमेंट और इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा 28 जुलाई को आयोजित की जाएगी। जिले में दोनों परीक्षाओं के लिए वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, हाईस्कूल इम्प्रूवमेंट/कंपार्टमेंट परीक्षा में 455 परीक्षार्थी और इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा में 303 परीक्षार्थी शामिल होंगे। हाईस्कूल इम्प्रूवमेंट/कंपार्टमेंट परीक्षा प्रातः 8:30 बजे से 11:45 बजे तक आयोजित होगी, जबकि इंटरमीडिएट कम्पार्टमेंट परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम 5:15 बजे तक कराई जाएगी। सभी संबंधित प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि वे उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट से पंजीकृत परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र डाउनलोड कर अपने हस्ताक्षर-मुहर के साथ विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएं।

बीएसए कॉलेज में छात्रों को मिला पायथन-ओरेकल प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के दौरान छात्रों का हौसला बढ़ाते संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल आदि।

कौशल विकास कार्यक्रम से बढ़ेगी तकनीकी दक्षता

40 दिवसीय ट्रेनिंग में सीखेंगे आधुनिक तकनीक

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग की ओर से बीसीए और एमसीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 40 दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्रों को पायथन प्रोग्रामिंग और ओरेकल जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के सहायक प्रोफेसर शाहिद हुसैन, रजनी शर्मा और आशीष अग्रवाल ने किया। प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से तकनीकी विषयों की जानकारी दी। संस्थान के चेयरमैन-वरिष्ठ अधिवक्ता उमाशंकर अग्रवाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में तकनीकी ज्ञान विद्यार्थियों के बेहतर करियर के लिए बेहद जरूरी है।

वाइस चेयरमैन इं. नितिन मित्तल, निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल, डीन अकादमिक प्रो. लोकेन्द्र शर्मा और विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुसार तैयार करने में सहायक साबित होते हैं।

राज्यपाल के हाथों सम्मानित हुए केडी मेडिकल और डेंटल कॉलेज के मेधावी

डॉ. ऋचा तिवारी और डॉ. राधा को मिले गोल्ड मेडल

डॉ. उत्कर्ष सिंह को पीडोडोंटेक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री में मिला सिल्वर मेडल

केडी मेडिकल कॉलेज की छात्रा डॉ. ऋचा तिवारी को सम्मानित करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल।

यूनिक समय, मथुरा। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के दूसरे दीक्षांत समारोह में करतल-ध्वनि के बीच राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मथुरा के कांती देवी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, कांती देवी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की दो मेधावी छात्राओं को गोल्ड मेडल, एक छात्र को सिल्वर मेडल-प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह आदि ने प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले भावी मेधावी चिकित्सकों को शाबाशी दी।

एबीवीएमयू के दूसरे दीक्षांत समारोह में कांती देवी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की ऐतिहासिक शैक्षिक परम्परा को आगे बढ़ाने वाली मेधावी छात्रा डॉ. ऋचा ज्योतिभूषण तिवारी को एमडी-पीडियाट्रिक्स , कांती देवी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की डॉ. राधा कुमारी को पेरियोडोंटोलॉजी में सर्वोच्च अंक हासिल करने पर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में कांती देवी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल मथुरा को दोहरी खुशी मिली। कॉलेज के डॉ. उत्कर्ष सिंह को पीडोडोंटेक्स एण्ड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री में दूसरा स्थान हासिल करने पर सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया।

समारोह में प्रदेश के सम्बद्ध कॉलेजों के एमबीबीएस, एमडी, एमएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को उपाधियां, 55 मेधावी छात्र-छात्राओं को गोल्ड और सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया। मेधावी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करने के साथ ही राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उन्हें चिकित्सा सेवा के प्रति समर्पण, नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने की शपथ दिलाई।

केडी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, प्रो-चांसलर मनोज अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल, कांती देवी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, उप-प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, कांती देवी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर, उप-कुलपति डॉ. गौरव सिंह, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, विभागाध्यक्ष पेरियोडोंटोलॉजी डॉ. शैलेंद्र चौहान, विभागाध्यक्ष पीडोडोंटेक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री डॉ. सोनल गुप्ता आदि ने डॉ. ऋचा तिवारी, डॉ. राधा कुमारी और डॉ. उत्कर्ष सिंह की शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें समाज में सेवाभाव की नजीर प्रस्तुत करने की शुभकामनाएं दीं। केडी विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर मनोज अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि हर छोटी-बड़ी सफलता खुशी और कुछ नया करने का उद्देश्य देती है।

पुरी जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़, एक श्रद्धालु की मौत

100 से अधिक घायल बारिश के बीच उमड़ी थी भारी भीड़

तेज बारिश के बीच मौजूद थे 10 लाख से ज्यादा लोग

यूनिक समय, पुरी। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

हादसा उस समय हुआ जब शाम करीब 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के विग्रह रथों पर लाए जा रहे थे। दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथों के पास पहुंचने लगे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तैनात वॉलेंटियर लोगों को पीछे हटाने लगे, इसी दौरान धक्का–मुक्की शुरू हो गई और देखते ही देखते भगदड़ की स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लोग एक–दूसरे के ऊपर गिरने लगे। कई श्रद्धालुओं को सांस लेने में परेशानी हुई, जिन्हें स्ट्रेचर के जरिए अस्पताल ले जाया गया। तेज बारिश के बावजूद पुरी में रथयात्रा मार्ग पर 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु मौजूद थे। यात्रा मुख्य मंदिर से करीब 3 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर तक जानी है।

पुरी की ऐतिहासिक रथयात्रा में इससे पहले भी भीड़ के कारण हादसे हो चुके हैं। वर्ष 2015 में भगदड़ जैसी स्थिति में दो श्रद्धालुओं की मौत हुई थी, जबकि 2025 की रथयात्रा में भी तीन लोगों की जान गई थी।

प्रशासन ने हादसे के बाद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

अब संतों के श्रीमुख से गूंजेगा ब्रज की स्वच्छता का संदेश

प्रवचन, सत्संग और भागवत कथाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को दिलाया जाएगा स्वच्छता का संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की धरा को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए अब संत समाज भी पूरी ताकत के साथ आगे आ गया है। वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान में गुरुवार को हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है महाअभियान के तहत संत समाज, महंतों और भागवताचार्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

गुरुवार को गीता शोध संस्थान में आयोजित बैठक में बोलते संत, पास बैठे हैं ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप आदि।

बैठक में तय किया गया कि अब प्रवचन, सत्संग, भागवत कथा और अन्य धार्मिक आयोजनों के मंच से श्रद्धालुओं को स्वच्छता का संदेश दिया जाएगा और उन्हें ब्रज को साफ रखने का संकल्प भी दिलाया जाएगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र की उपस्थिति में आयोजित बैठक में मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, नगर आयुक्त ओजस्वी राज सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की और संत समाज से सुझाव लिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि संत समाज श्रद्धालुओं से अपील करेगा कि वे कहीं भी कूड़ा न फैलाएं, एकल–उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग न करें, यमुना तट, कुंडों, घाटों, परिकमा मार्गों और धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। संतों का मानना है कि हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालु ब्रज आते हैं। यदि आध्यात्मिक मंचों से स्वच्छता का संदेश दिया जाएगा तो यह अभियान जन–जन तक पहुंचेगा। उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि ब्रज की स्वच्छता को सेवा और जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए। मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने बताया कि वृंदावन परिक्रमा मार्ग को 11 सेक्टरों में विभाजित कर विशेष अभियान चलाया जाएगा। अगले सप्ताह से सफाई, अतिक्रमण हटाने और व्यवस्थाओं में सुधार का कार्य शुरू होगा। वहीं नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने कहा कि संतों के स्वच्छता संदेशों के वीडियो तैयार कर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि एक माह के भीतर वृंदावन की स्वच्छता व्यवस्था में बड़ा बदलाव दिखाई देगा।

बैठक में महंत फूलडोल बिहारी दास, महंत हरिशंकर दास नागा, महंत सनत दास, संत गोविंदानंद तीर्थ, महंत राम स्वरूप ब्रह्मचारी, संत रामदेवानंद सरस्वती, महंत सुंदर दास, महंत लाडली दास, संत सच्चिदानंद दास, संत मदन मोहन दास, संत लाडली शरण दास, महामंडलेश्वर नवल गिरी, समाजसेवी कपिल देव उपाध्याय और हार्टफुलनेस संस्था से निशांत शर्मा सहित अनेक संत, महंत और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मथुरा की 29 सोसायटियों में अब केवल पीएनजी व्यवस्था लागू

उपभोक्ताओं को एलपीजी सरेंडर करने की अपील

पीएनजी सुविधा वाले क्षेत्रों में सख्त होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा और वृंदावन की 29 आवासीय सोसायटियों में रहने वाले परिवारों को घरेलू एलपीजी गैस कनेक्शन सरेंडर करने होंगे। आपूर्ति विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन क्षेत्रों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सुविधा पहले से उपलब्ध है, वहां एलपीजी कनेक्शन बनाए रखने की आवश्यकता नहीं है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत कनेक्शन जमा नहीं करने पर संबंधित एलपीजी कनेक्शनों को निरस्त करने की कार्रवाई की जा सकती है।

आपूर्ति विभाग के एआरओ फूल सिंह यादव ने बताया कि इन सोसायटियों में टोरेंट गैस और गेल की पीएनजी सेवा पहले से संचालित है। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को घरों तक पाइपलाइन से निरंतर गैस आपूर्ति मिल रही है। ऐसे में सिलेंडर आधारित व्यवस्था की जरूरत समाप्त हो जाती है। विभाग ने लोगों से समय रहते अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने की अपील की है। इस व्यवस्था में राधा पुरम, राधा वैली, पुष्पांजलि उपवन, बैकुंठ बिहार, केशव कुंज, अशोका सिटी, कृष्णा ऑर्चर्ड समेत कुल 29 आवासीय सोसायटियां शामिल हैं। इन सभी क्षेत्रों में गैस पाइपलाइन नेटवर्क पूरी तरह सक्रिय है और उपभोक्ता नियमित रूप से पीएनजी सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।

दुकान में घुसा टेंपो, एक व्यक्ति घायल

यूनिक समय, वृंदावन। धार्मिक नगरी की संकरी कुंज गलियों में टेंपो संचालन को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ताजा मामला आरआर बतन भंडार के पास का है, जहां एक तेज रफ्तार टेंपो अनियंत्रित होकर दुकान के अंदर जा घुसा। हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने टेंपो चालकों की मनमानी पर नाराजगी जताई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की कि गलियों में टेंपो संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए, दोषी चालक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

स्थानीय व्यापारियों और लोगों का आरोप है कि कुछ टेंपो चालक दबंगई के बल पर गलियों में वाहन चलाते हैं, जिससे राहगीरों और दुकानदारों की जान जोखिम में बनी रहती है।

श्रीकृष्ण पर मौलाना के बयान से नाराजगी

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण को लेकर झारखंड के मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना जररिश अंसारी के कथित बयान पर ब्रज के संतों और धर्माचार्यों ने विरोध जताया है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल एक वीडियो में मौलाना द्वारा भगवान श्रीकृष्ण को पांच वक्त का नमाजी बताए जाने का दावा किया गया है। इस बयान के बाद संत समाज ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो 23 जून को झारखंड में हुई एक तकरीर का है। इसमें मौलाना ने श्रीमद्भागवत गीता के छठे अध्याय के एक श्लोक की व्याख्या करते हुए यह टिप्पणी की। हालांकि वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। कथावाचक आचार्य मृदुल कांत शास्त्री ने कहा कि धार्मिक ग्रंथों की गलत व्याख्या कर भ्रम फैलाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण से जुड़े संतों और अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने भी बयान की निंदा की।

भक्तों ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ, एडीजी और डीआईजी ने लगाई झाड़ू

राधा ऑर्किड में निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में सोहनी सेवा करते एडीजी एसके भगत, डीआइजी शैलेश पांडेय, एसएसपी श्लोक कुमार, आदि।

यूनिक समय, मथुरा। मसानी हाईवे लिंक रोड स्थित पॉश कॉलोनी राधा ऑर्किड में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा का आयोजन कॉलोनी के अध्यक्ष अरविंद प्रताप सिंह और राजेश बजाज के सानिध्य में हुआ। रथ पर विराजमान विग्रहों की अनुपम छटा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। अतिथि के रूप में पहुंचे आगरा रेंज के एडीजी सुवेन्द्र कुमार भगत, उनकी पत्नी और डीआईजी शैलेश पांडे, एसएसपी श्लोक कुमार, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, सीओ सिटी आशना चौधरी ने सनातन परंपरा का निर्वहन किया। उन्होंने अन्य श्रद्धालुओं के साथ मिलकर रथ के आगे झाड़ू लगाई और पवित्र रस्सी थामकर रथ को आगे बढ़ाया। श्रद्धालुओं ने जगह–जगह पुष्पवर्षा और आरती उतारकर भगवान का स्वागत किया। यात्रा में भारी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु सहित विदेशी भक्त भी भक्ति रस में सराबोर नजर आए। रथ यात्रा में प्रमुख रूप से आर राजा, विष्णु नाम, रवी लोचन दास, श्रीनिवास प्रभु, श्रीराम पंडित प्रभु स्थानीय पार्षद राकेश भाटिया, अशोक खंडेलवाल, मुकेश अग्रवाल, पूर्व विधायक श्याम सिंह अहेरिया, हरीश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

मथुरा में नौ अगस्त की कार सेवा स्थगित, स्वामी सच्चिदानंद नजरबंद

पुलिस कार्रवाई के बाद लिया फैसला,आश्रम के बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा

यूनिक समय, गोवर्धन। मथुरा में शाही ईदगाह परिसर को लेकर नौ अगस्त को प्रस्तावित कार सेवा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। चित्रगुप्त पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद को पुलिस ने गुरुवार को उनके आश्रम में नजरबंद कर दिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद उन्होंने कार सेवा कार्यक्रम को आगे के लिए टालने की घोषणा की।

आश्रम में बैठे स्वामी सच्चिदानंद और पुलिसकर्मी।

पुलिस प्रशासन ने यह कदम कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया। स्वामी सच्चिदानंद के आश्रम के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। अधिकारियों ने उन्हें नोटिस भी सौंपा। बताया गया कि स्वामी अयोध्या जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें आश्रम से बाहर जाने से रोक दिया।

नजरबंदी के बाद स्वामी सच्चिदानंद ने बातचीत में कहा कि सावन माह और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही रहती है। ऐसे समय में किसी भी तरह की असुविधा और कानून–व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए नौ अगस्त की प्रस्तावित कार सेवा को स्थगित किया गया है। कार्यक्रम की नई तारीख बाद में घोषित की जाएगी। कुछ दिन पहले स्वामी सच्चिदानंद ने शाही ईदगाह परिसर में कार सेवा करने का ऐलान किया था। इसके बाद प्रशासन सतर्क हो गया था। पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने इलाके की निगरानी बढ़ा दी थी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी स्थिति में माहौल खराब नहीं होने दिया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

सुविचार

सोच बदलो, जीवन बदलेगा, सकारात्मकता हमेशा आगे बढ़ाएगी।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	08:53-06:28 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	मघा	07:52-06:34 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:39 AM	चन्द्रोदय	08:31 AM
सूर्यास्त		7:11 PM	चंद्रास्त	09:34 PM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त		11:49AM –12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:43 AM: 12:25 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः आज आत्मविश्वास बढ़ेगा, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और आर्थिक मामलों में सावधानी रखना लाभदायक रहेगा।

वृषभः नई योजनाओं पर काम शुरू होगा। धन लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुनः बातचीत से समस्याएं सुलझेंगी। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा, मन प्रसन्न रहेगा।

कर्कः भावनाओं पर नियंत्रण रखें। परिवार में खुशियां आएंगी। निवेश संबंधी फैसले सोच–समझकर लें, स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है।

सिंहः नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। पुराने कार्य पूरे होंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत मिल रहे हैं।

कन्याः मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। शिक्षा और करियर में प्रगति होगी। यात्रा के योग बन सकते हैं, सावधानी बरतें।

तुलाः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। रिश्तों में मधुरता आएगी। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे, निर्णय सोचकर लें।

वृश्चिकः कल धैर्य बनाए रखें। विरोधी शांत होंगे। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति और प्रसन्नता प्राप्त होगी।

धनुः भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं, सकारात्मक रहें।

मकरः जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन सफलता भी मिलेगी। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। स्वास्थ्य के लिए नियमित दिनचर्या अपनाना लाभकारी रहेगा।

कुंभः नए संपर्क लाभदायक रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में बदलाव के संकेत हैं, आत्मविश्वास बनाए रखें।

मीनः आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। परिवार में सुख–शांति रहेगी। धन संबंधी मामलों में लाभ मिलेगा, स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

सावन में अपराजिता के फूल से करें शिव आराधना, मिलेगी महादेव की कृपा

यूनिक समय, मथुरा। भगवान शिव की आराधना के लिए सावन का महीना सबसे पवित्र माना जाता है। इस दौरान भक्त विभिन्न पूजन सामग्री से भोलेनाथ का अभिषेक और पूजन करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अपराजिता का फूल भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना गया है। श्रद्धा और विधि–विधान से इस फूल को अर्पित करने से सुख–समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और उन्नति के मार्ग प्रशस्त होने की मान्यता है।

सावन के प्रत्येक सोमवार शिवलिंग पर अपराजिता के पांच फूल अर्पित करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे भगवान शिव की कृपा बनी रहती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। रुद्राभिषेक के दौरान भी अपराजिता के फूल अर्पित करना विशेष फलदायी माना जाता है। श्रद्धालु इसे मानसिक शांति और पारिवारिक सुख के लिए भी शुभ मानते हैं। धार्मिक परंपराओं के अनुसार, सावन में शिव मंदिर में अर्पित किए गए अपराजिता के एक फूल को घर लाकर अच्छी तरह सुखा लें। इसके बाद उसे लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी या धन रखने के स्थान पर रखने की मान्यता है। विश्वास किया जाता है कि इससे आर्थिक बाधाएं दूर हो सकती हैं और धन संबंधी परेशानियों में राहत मिलती है। कई श्रद्धालु यह उपाय सावन के सोमवार या शुक्रवार को करना शुभ मानते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

शिवलिंग पर जलाभिषेक के दौरान जल में अपराजिता का एक फूल, कच्चा दूध, दही, शहद और अक्षत मिलाकर अर्पित करना भी शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस विधि से अभिषेक करने पर भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और जीवन में समृद्धि तथा उन्नति के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

अपराजिता का फूल धार्मिक दृष्टि से पवित्र और शुभ माना जाता है। सावन मास में श्रद्धा और विश्वास के साथ इसकी पूजा करने से घर में सुख–शांति, सकारात्मक वातावरण और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होने की मान्यता है। हालांकि ये सभी उपाय धार्मिक आस्थाओं और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं, जिनका पालन श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और विश्वास के अनुसार करते हैं।

ज्ञान और आशीर्वाद का पर्व गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई को

व्यास पूर्णिमा पर गूंजेगा गुरु भक्ति का स्वर

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु के प्रति सम्मान, श्रद्धा और आभार प्रकट करने का विशेष अवसर माना जाता है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 29 जुलाई 2026 को मनाया जाएगा। इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इसी दिन महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास की जयंती भी मनाई जाती है।

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 28 जुलाई 2026 को शाम 6 बजकर 18 मिनट पर होगी और इसका समापन 29 जुलाई को रात 8 बजकर 5 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर गुरु पूर्णिमा का पर्व 29 जुलाई को मनाना शुभ रहेगा।

गुरु पूर्णिमा के दिन स्नान, दान और गुरु पूजन का विशेष महत्व बताया गया है।

मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा भाव से गुरुजनों का सम्मान करने और उनका आशीर्वाद लेने से जीवन में ज्ञान, सफलता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जिन लोगों की कुंडली में गुरु दोष माना जाता है, वे भी इस दिन विशेष पूजा और दान करते हैं।

गुरु पूर्णिमा के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:17 बजे से 4:59 बजे तक रहेगा। इसके अलावा लाभ–उन्नति मुहूर्त सुबह 5:41 से 7:22 बजे तक, अमृत–सर्वोत्तम मुहूर्त सुबह 7:22 से 9:04 बजे तक और शुभ मुहूर्त सुबह 10:46 बजे से दोपहर 12:27 बजे तक रहेगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गुरु जीवन को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं। गुरु के ज्ञान से व्यक्ति अज्ञानता के अंधकार से निकलकर सफलता और आध्यात्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है। इसी भावना के साथ शिष्य इस दिन अपने गुरु की पूजा करते हैं और गुरु दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। 'गुरुर्ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु, गुरुर्देवो महेश्वरः' मंत्र के साथ गुरु की महिमा का स्मरण किया जाता है। गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर भी है।

बिस्तर के पास दवा रखना क्यों माना जाता अशुभ

यूनिक समय, मथुरा। घर में दवाइयां रखना आज हर परिवार की जरूरत बन चुका है। अक्सर लोग सुविधा के लिए दवाइयों को बिस्तर या सिरहाने रख देते हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मिल जाएं। हालांकि वास्तु शास्त्र में दवाइयों को रखने की जगह को लेकर कुछ मान्यताएं बताई गई हैं।

वास्तु के अनुसार दवाइयां बीमारी से जुड़ी वस्तु मानी जाती हैं, इसलिए इन्हें सोने की जगह के पास रखने से बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे मानसिक तनाव और बेचैनी जैसी नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है।

वास्तु नियमों के मुताबिक दवाइयों को रसोई, पूजा स्थल और धन रखने वाली जगह पर भी नहीं रखना चाहिए। रसोई को घर का पवित्र स्थान माना जाता है, जबकि पूजा स्थल सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है।

दवाइयों को किसी साफ–सुथरी

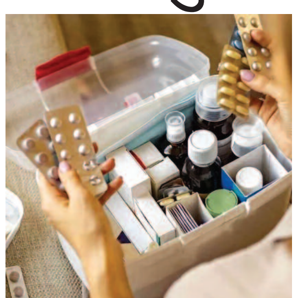

घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए करें उपाय

अलमारी या निर्धारित स्थान पर व्यवस्थित तरीके से रखना बेहतर माना जाता है। हालांकि ये बातें वास्तु मान्यताओं पर आधारित हैं, लेकिन दवाइयों को सुरक्षित, साफ और जरूरत के समय आसानी से उपलब्ध स्थान पर रखना हमेशा जरूरी है।

जगन्नाथ धाम के अनोखे रहस्य, जिनकी दुनिया भर में होती है चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा गुरुवार से शुरू हो रही है। इस अवसर पर लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंच रहे हैं। चार धामों में शामिल श्रीजगन्नाथ मंदिर न केवल अपनी धार्मिक महत्ता, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं और अनोखी विशेषताओं के कारण भी दुनिया भर में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंदिर से जुड़े कई ऐसे रहस्य और मान्यताएं हैं, जो आज भी श्रद्धालुओं और शोधकर्ताओं के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। मंदिर के 214 फीट ऊंचे शिखर पर लगा पवित्र ध्वज प्रतिदिन बदला जाता है। विशेष रूप से प्रशिक्षित सेवक बिना आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के शिखर पर चढ़कर यह परंपरा निभाते हैं। सदियों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा को श्रद्धालु भगवान की कृपा और अटूट आस्था का प्रतीक मानते हैं।

मंदिर के शिखर पर स्थापित सुदर्शन चक्र भी अपनी अनूठी बनावट के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र है। श्रद्धालुओं का मानना है कि मंदिर को किसी भी दिशा से देखने पर यह चक्र सामने की ओर ही दिखाई देता है, जो इसकी विशिष्ट स्थापत्य कला का उदाहरण माना जाता है।

श्रीजगन्नाथ मंदिर की रसोई विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में गिनी जाती है। यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के लिए मिट्टी के बर्तनों में महाप्रसाद तैयार किया जाता है। विशेष बात यह है कि बर्तनों को एक–दूसरे के ऊपर रखकर भोजन पकाया जाता है और परंपरा के अनुसार सबसे ऊपर रखे बर्तन का भोजन पहले पक जाता है। श्रद्धालु इसे भगवान की महिमा और मंदिर की अनूठी परंपरा से जोड़कर देखते हैं।

सदियों पुरानी परंपराएं आज भी आस्था का केंद्र

रथ यात्रा में उमड़ता श्रद्धा और विश्वास का सैलाब

मंदिर की एक और विशिष्ट परंपरा 'नवकलेवर' है। निर्धारित समय पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की लकड़ी की प्रतिमाओं का विधिवत परिवर्तन किया जाता है। इस धार्मिक अनुष्ठान को जगन्नाथ संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण परंपराओं में माना जाता है। विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा मंदिर की सबसे बड़ी धार्मिक परंपरा है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा भव्य रथों पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर की यात्रा करते हैं। लाखों श्रद्धालु रथों को खींचकर स्वयं को धन्य मानते हैं। यह यात्रा केवल आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, संस्कृति और श्रद्धा का अद्भुत संगम भी मानी जाती है।

सम्पादकीय

भगवान को भाव चाहिए, फूलों का अपमान नहीं चाहिए

कभी फूल भगवान के चरणों में श्रद्धा का प्रतीक बनकर चढ़ते थे। उनकी खुशबू भक्ति का संदेश देती थी और मुरझाने के बाद भी उन्हें पवित्र मानकर नदी, बगीचे या खाद के रूप में सम्मानपूर्वक विदा किया जाता था। आज वही फूल भक्ति से ज्यादा प्रदर्शन का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

पवन गौतम
संपादक

सावन हो, झूला उत्सव हो या जन्माष्टमी–मंदिरों में लाखों रुपये के फूलों से भव्य फूल बंगले सजाए जाते हैं।

शादी–ब्याह में भी फूलों की ऐसी बरसात होती है कि लगता है मानो खुशबू नहीं, दौलत बिखेरी जा रही हो। विडंबना यह है कि अगले ही दिन यही फूल कूड़े के ढेर में पड़े मिलते हैं। जिन फूलों ने कुछ घंटे पहले भगवान की शोभा बढ़ाई थी, वे अब बदबू और कचरे का हिस्सा बन चुके होते हैं।

दूसरी ओर, जब कोई बड़ा त्योहार आता है तो फूलों के दाम आसमान छूने लगते हैं। आम श्रद्धालु पूजा के लिए दो माला खरीदने से पहले जेब टटोलता है। किसान मेहनत करता है, उपभोक्ता महंगा खरीदता है, लेकिन बीच में दिखावे की संस्कृति लाखों फूलों को समय से पहले मौत दे देती है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

श्रद्धा का अर्थ कभी अपव्यय नहीं रहा। भगवान को भाव चाहिए, बाजार नहीं। भक्ति की सुगंध फूलों की संख्या से नहीं, मन की सच्चाई से आती है। यदि मंदिरों और आयोजनों में सजावट के बाद फूलों का उपयोग इत्र, धूप, अगरबत्ती, जैविक खाद या प्राकृतिक रंग बनाने में किया जाए, तो वही फूल समाज के भी काम आएंगे। कई शहरों में ऐसे प्रयास सफल भी हुए हैं। आज जरूरत इस बात की है कि हम फूलों को केवल सजावट की वस्तु नहीं, प्रकृति का अनमोल उपहार समझें। जिस धरती ने उन्हें खिलाया, उसी धरती पर उन्हें सम्मानपूर्वक लौटाना भी हमारी जिम्मेदारी है।

भक्ति का वैभव तब तक अधूरा है, जब तक उसमें संवेदना न हो। यदि भगवान के चरणों में चढ़े फूल अगले ही दिन कूड़े में पड़े मिलें, तो सवाल फूलों पर नहीं, हमारी सोच पर उठता है। कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने श्रद्धा को प्रदर्शन और पूजा को आयोजन बना दिया है? शायद अब समय आ गया है कि फूलों की कीमत रुपये से नहीं, उनकी खुशबू और उपयोगिता से आंकी जाए। तभी भक्ति भी महकेगी और प्रकृति भी मुस्कुराएगी।

नजरिया

नेपाल में हिंदी की दस्तक, बदलती सियासत और नई उम्मीदें

बोध प्रकाश सगुणी

नेपाल की राजनीति में इन दिनों भाषा एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। जनकपुर उपमहानगरपालिका द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में मैथिली पढ़ाने के निर्णय ने केवल शिक्षा का मुद्दा नहीं उठाया, बल्कि नेपाल की भाषायी राजनीति को भी नई बहस के बीच ला खड़ा किया है। इस फैसले के समर्थन और विरोध के बीच अब एक नई मांग तेजी से उभर रही है–नेपाल के मधेस क्षेत्र में हिंदी को औपचारिक रूप से शिक्षा और संपर्क भाषा का दर्जा दिया जाए। यह मांग केवल भाषा का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामाजिक पहचान, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, सांस्कृतिक रिश्तों और राष्ट्रीय एकता से जुड़ा विषय भी बनती जा रही है।

नेपाल भाषायी विविधता वाला देश है। यहां 133 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन शिक्षा और प्रशासन में मुख्य रूप से नेपाली और अंग्रेजी का वर्चस्व है। दूसरी ओर तराई या मधेस क्षेत्र में रहने वाली बड़ी आबादी दैनिक जीवन में मैथिली, भोजपुरी, अवधी, बज्जिका, थारू, अंगिका, मगही, राजवंशी और अन्य भारतीय मूल की भाषाओं का प्रयोग करती है। इन भाषाओं के बीच संवाद का सबसे सहज माध्यम लंबे समय से हिंदी रही है। यही कारण है कि हिंदी समर्थक वर्ग का मानना है कि यदि हिंदी को संस्थागत मान्यता मिले तो यह मधेस की विविध भाषाओं को जोड़ने वाली साझा कड़ी बन सकती है।

जनकपुर में मैथिली शिक्षा का निर्णय अपने आप में स्वागत योग्य है। मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के बौद्धिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी भाषा का संरक्षण उसकी शिक्षा, साहित्य और सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा होता है। इसलिए मैथिली, भोजपुरी, अवधी या अन्य स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देना भाषायी लोकतंत्र की दिशा में सकारात्मक कदम है। लेकिन बहस तब शुरू होती है, जब स्थानीय भाषाओं के साथ एक साझा संपर्क भाषा की आवश्यकता सामने आती है।

मधेस क्षेत्र की सामाजिक संरचना बहुभाषी है। अलग–अलग जिलों और समुदायों के लोग अपनी–अपनी मातृभाषा बोलते हैं, लेकिन आपसी संवाद के लिए प्रायः हिंदी का उपयोग करते हैं। यही वजह है कि हिंदी को वहां व्यवहारिक संपर्क भाषा के रूप में देखा जाता है। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति पार्टी से जुड़े रमन पांडेय जैसे कई सामाजिक कार्यकर्ता मानते हैं कि हिंदी मधेस समाज को एकजुट रखने का माध्यम बन सकती है। उनका तर्क है कि यदि हर समुदाय

केवल अपनी भाषा तक सीमित हो जाएगा तो राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बिखराव बढ़ सकता है। हालांकि इस तर्क का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भाषायी विविधता किसी भी लोकतंत्र की ताकत होती है, कमजोरी नहीं। यदि संपर्क भाषा के नाम पर स्थानीय भाषाओं की उपेक्षा होने लगे, तो इससे सांस्कृतिक असंतुलन पैदा हो सकता है। इसलिए हिंदी को बढ़ावा देने की पहल तभी सार्थक होगी, जब वह मैथिली, भोजपुरी, थारू, अवधी और अन्य भाषाओं के समान सम्मान के साथ आगे बढ़े। हिंदी किसी भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि संवाद की सहयोगी बने–यही संतुलित दृष्टिकोण होना चाहिए। नेपाल और भारत के रिश्तों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी इस बहस को विशेष महत्व देती है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा, सांस्कृतिक समानता, धार्मिक परंपराएं, व्यापारिक संबंध और रोटी–बेटी का रिश्ता सदियों पुराना है। जनकपुर, लुंबिनी, पशुपतिनाथ और काशी जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र इस साझा विरासत के प्रतीक हैं। ऐसे में हिंदी केवल भारत की भाषा नहीं, बल्कि सीमावर्ती नेपाली समाज के बड़े हिस्से के दैनिक जीवन का भी हिस्सा है। नेपाल के तराई क्षेत्र में रहने वाले लाखों लोग रोजगार, व्यापार, शिक्षा और पारिवारिक संबंधों के कारण भारत से नियमित संपर्क में रहते हैं। ऐसे में हिंदी उनके लिए व्यवहारिक सुविधा भी है। मीडिया, फिल्म, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने भी हिंदी की पहुंच को और मजबूत किया है। आज नेपाल के अनेक हिस्सों में हिंदी को समझने और बोलने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लेकिन भाषा के प्रश्न को केवल भावनात्मक नजरिए से नहीं देखा जा सकता। नेपाल एक संप्रभु राष्ट्र है और नेपाली उसकी आधिकारिक भाषा है। राष्ट्रीय पहचान के संदर्भ में नेपाली भाषा की भूमिका स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण रहेगी। इसलिए हिंदी को लेकर होने वाली किसी भी चर्चा में यह संतुलन बनाए रखना आवश्यक है कि वह नेपाली भाषा के स्थान पर नहीं, बल्कि उसके पूरक के रूप में सामने आए।

नेपाल के इतिहास में ऐसे अवसर भी आए हैं जब हिंदी राजनीतिक विवाद का विषय बनी। सीमा विवादों के दौरान कुछ नेताओं ने हिंदी के खिलाफ कठोर बयान दिए थे। हालांकि व्यापक स्तर पर ऐसे विचारों को बहुत अधिक समर्थन नहीं मिला। इसका कारण यही है कि नेपाल के आम लोगों के बीच हिंदी का उपयोग सांस्कृतिक और सामाजिक संपर्क के रूप में लंबे समय से होता रहा है।

भारत का अनुभव भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यहां हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में विकसित करने की कोशिश के साथ–साथ संविधान ने अनेक भारतीय भाषाओं को समान सम्मान दिया है। समय–समय पर महात्मा गांधी, पुरुषोत्तम दास टंडन, विनोबा भावे और अन्य विचारकों ने हिंदी को जोड़ने वाली भाषा बताया, लेकिन साथ ही मातृभाषाओं के संरक्षण पर भी जोर दिया। यही संतुलन नेपाल के लिए भी उपयोगी हो सकता है।

यदि नेपाल में हिंदी को शिक्षा या संपर्क भाषा के रूप में अधिक स्थान मिलता है, तो इसके अनेक व्यावहारिक लाभ हो सकते हैं। सीमापार व्यापार और पर्यटन को गति मिलेगी। शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सांस्कृतिक आदान–प्रदान मजबूत होगा। डिजिटल सामग्री तक पहुंच आसान होगी और भारत–नेपाल संबंधों को नई ऊर्जा मिलेगी। लेकिन यह तभी संभव है, जब इस प्रक्रिया में स्थानीय भाषाओं की अस्मिता और सम्मान अक्षुण्ण रहे।

आज की दुनिया में बहुभाषिकता ही सबसे बड़ी शक्ति मानी जाती है। जो समाज जितनी अधिक भाषाएं सीखता है, वह उतना ही अधिक ज्ञान, संस्कृति और अवसरों से जुड़ता है। इसलिए नेपाल के लिए यह बहस हिंदी बनाम मैथिली या नेपाली नहीं होनी चाहिए। सही सवाल यह है कि नेपाली, स्थानीय मातृभाषाओं और हिंदी के बीच ऐसा संतुलन कैसे बनाया जाए, जिससे सभी भाषाएं समृद्ध हों और समाज भी मजबूत बने।

भाषा कभी दीवार नहीं बननी चाहिए। उसका उद्देश्य लोगों को जोड़ना, संवाद बढ़ाना और संस्कृति को आगे ले जाना है। नेपाल की वर्तमान बहस इसी दिशा में एक अवसर भी है और चुनौती भी। यदि नीति–निर्माता भाषायी विविधता का सम्मान करते हुए संपर्क भाषा की भूमिका को समझेंगे, तो नेपाल न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रख सकेगा, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और सामाजिक एकता का भी नया उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। आखिरकार, किसी भी राष्ट्र की मजबूती उसकी एक भाषा में नहीं, बल्कि उसकी सभी भाषाओं के सम्मान में छिपी होती है। हिंदी, नेपाली और मधेस की मातृभाषाएं यदि प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि सहयोगी बनें, तो यही नेपाल के भाषायी भविष्य की सबसे बड़ी सफलता होगी।

विचार विंडो

चकाचौंध में गुम होता अंधेरा, खतरे में प्रकृति का संतुलन

राम प्रकाश शर्मा

कभी रात का मतलब होता था सुकून, ठंडक, तारों से भरा आसमान और प्रकृति की शांत लय। गांवों और छोटे कस्बों में लोग खुले आकाश के नीचे बैठकर आकाशगंगा तक देख लेते थे। आज तस्वीर बदल चुकी है। शहरों की पहचान अब पेड़ों, तालाबों या खुले आसमान से नहीं, बल्कि रातभर जगमगाती रोशनी से होने लगी है। ऊंची इमारतों की चमक, चौबीसों घंटे जलते विज्ञापन बोर्ड, एलईडी से नहाई सड़कें और कभी न सोने वाले बाजार आधुनिक विकास का प्रतीक माने जाते हैं। लेकिन क्या इस विकास की कीमत हमने प्राकृतिक अंधेरे को खत्म करके चुकाई है?

पर्यावरण की चर्चा होते ही वायु प्रदूषण, जल संकट और प्लास्टिक कचरे की बातें सामने आती हैं, लेकिन प्रकाश प्रदूषण (लाइट पॉल्यूशन) अब भी गंभीर मुद्दा नहीं बन पाया है। जबकि वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि कृत्रिम रोशनी का अनियंत्रित विस्तार केवल तारों को ही नहीं, बल्कि पूरी पारिस्थितिकी, मानव स्वास्थ्य और जैव विविधता को प्रभावित कर रहा है।

आज दुनिया की बड़ी आबादी ऐसे आकाश के नीचे रहती है, जहां कृत्रिम रोशनी ने प्राकृतिक अंधेरे को लगभग मिटा दिया है। महानगरों में रहने वाले बच्चों की एक पूरी पीढ़ी ऐसी है, जिसने कभी साफ रात में आकाशगंगा देखी ही नहीं। यह केवल एक भावनात्मक क्षति नहीं, बल्कि प्रकृति से हमारे बढ़ते अलगाव का संकेत भी है।

भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। तेजी से बढ़ते शहर, औद्योगिकीकरण, चौबीसों घंटे सक्रिय व्यावसायिक गतिविधियां और एलईडी रोशनी का व्यापक उपयोग रात के प्राकृतिक स्वरूप को बदल रहे हैं। विडंबना यह है कि वायु और जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कानून मौजूद हैं, लेकिन प्रकाश प्रदूषण को लेकर अब तक कोई व्यापक राष्ट्रीय नीति नहीं बन सकी है।

प्राकृतिक अंधेरा केवल इंसानों के लिए नहीं, बल्कि हजारों जीव–जंतुओं के जीवन का आधार है। पतंगे, जुगनू, चमगादड़, उल्लू और अनेक रात्रिचर जीव अपनी गतिविधियों के लिए अंधेरे पर निर्भर रहते हैं। अत्यधिक कृत्रिम रोशनी उनके भोजन, प्रजनन और प्रवास के प्राकृतिक चक्र को बाधित करती है। कई वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि तेज रोशनी वाले क्षेत्रों में पतंगों और अन्य रात्रिचर कीटों की संख्या तेजी से घट रही है। इसका असर केवल

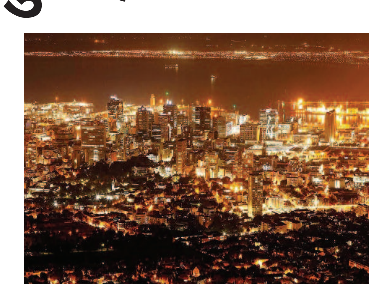

वन्यजीवों तक सीमित नहीं रहता। अनेक पौधों का परागण रात में सक्रिय रहने वाले कीटों के माध्यम से होता है। यदि इन जीवों की संख्या कम होगी तो कृषि उत्पादन और जैव विविधता दोनों प्रभावित होंगे। यानी जिस विकास के नाम पर अधिक रोशनी फैलाई जा रही है, वही विकास भविष्य में खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती बन सकता है।

मानव स्वास्थ्य पर भी इसका प्रभाव कम गंभीर नहीं है। हमारे शरीर की जैविक घड़ी दिन और रात के प्राकृतिक क्रम के अनुसार काम करती है। रात का अंधेरा मेलाटोनिन हार्मोन के स्राव के लिए आवश्यक होता है, जो अच्छी नींद, मानसिक स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा प्रणाली को संतुलित रखता है। देर रात तक मोबाइल, लैपटॉप और तेज एलईडी रोशनी के संपर्क में रहने से यह प्राकृतिक प्रक्रिया बाधित होती है। परिणामस्वरूप अनिद्रा, तनाव, मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

विडंबना यह भी है कि एक ओर ऊर्जा संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन कम करने की बात होती है, वहीं दूसरी ओर खाली इमारतों पर पूरी रात सजावटी रोशनी जलती रहती है। बाजार बंद होने के बाद भी विज्ञापन बोर्ड चमकते रहते हैं और ऐसी अनेक जगहों पर रोशनी जलती रहती है, जहां उसकी वास्तविक आवश्यकता नहीं होती। यह न केवल ऊर्जा की बर्बादी है, बल्कि पर्यावरण पर अनावश्यक बोझ भी है। दुनिया के कई देशों ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए समाधान की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। नीचे की ओर केंद्रित प्रकाश व्यवस्था, कम रंग–तापमान वाले एलईडी, सेंसर आधारित लाइटिंग, टाइमर सिस्टम और अनावश्यक रोशनी पर नियंत्रण जैसे उपाय अपनाए जा रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य अंधेरा पैदा करना नहीं, बल्कि जरूरत के अनुसार संतुलित रोशनी उपलब्ध कराना है। भारत में भी इस दिशा में व्यापक सोच की आवश्यकता है। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में केवल अधिक रोशनी लगाने की बजाय "स्मार्ट लाइटिंग" को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। नगर निकायों को ऊर्जा दक्षता के साथ प्रकाश प्रदूषण को भी शहरी नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। स्कूलों और समाज में भी इस विषय पर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है, ताकि लोग समझ सकें कि हर समय और हर जगह अधिक रोशनी विकास का पर्याय नहीं होती।

प्राकृतिक अंधेरा भी प्रकृति की एक अमूल्य धरोहर है। जिस तरह स्वच्छ हवा, निर्मल जल और हरियाली की आवश्यकता है, उसी तरह शांत और अंधेरी रातें भी पृथ्वी के संतुलन के लिए जरूरी हैं। यदि विकास की दौड़ में हमने रात का अस्तित्व ही समाप्त कर दिया, तो आने वाली पीढ़ियां केवल तारों भरे आकाश की कहानियां सुनेंगी, उन्हें देख नहीं पाएंगी।

वास्तविक विकास वही है, जो प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर आगे बढ़े। शहरों की चमक जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि रात को उसका स्वाभाविक अंधेरा भी वापस मिले। क्योंकि पृथ्वी का आधा जीवन रात में ही सांस लेता है, और उस अंधेरे को बचाना केवल पर्यावरण की नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की भी जिम्मेदारी है।

ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड ने 1000 छक्कों से रचा इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्पोर्ट्स डेस्क। वेस्टइंडीज के विस्फोटक ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड ने टी 20 क्रिकेट में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क की ओर से खेलते हुए पोलार्ड ने अपने टी 20 करियर के 1000 छक्के पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह दुनिया के केवल दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने इस खास मुकाम को हासिल किया है। अब उनकी नजर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले क्रिस गेल के विश्व रिकॉर्ड पर है। वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पोलार्ड ने केवल 25 गेंदों पर 64 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में सिर्फ एक

चौका और आठ गगनचुंबी छक्कें शामिल रहे। इन आठ छक्कों के साथ उन्होंने अपने टी 20 करियर में 1000 छक्कों का आंकड़ा छू लिया। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्कें लगाने का रिकॉर्ड अभी भी वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम दर्ज है। गेल ने अपने करियर में 1056 छक्कें लगाए थे। पोलार्ड अब इस रिकॉर्ड से महज 56 छक्के दूर हैं। मौजूदा समय में वह विभिन्न टी 20 लीगों में लगातार खेल रहे हैं, ऐसे में उनके पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने का अच्छा मौका है। हालांकि इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए पोलार्ड को ज्यादा मैच खेलने पड़े। क्रिस गेल ने 463 टी 20 मुकाबलों में 1056 छक्के लगाए थे, जबकि पोलार्ड ने 1000 छककों का आंकड़ा 745 मैचों

यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज

में पूरा किया। इसके बावजूद यह उपलब्धि टी 20 क्रिकेट के इतिहास में बेहद खास मानी जा रही है। इस मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क की ओर से निकोलस पूरन ने भी धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 33 गेंदों पर 106 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। पूरन और पोलार्ड की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 266 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लेकिन इतना बड़ा स्कोर भी एमआई न्यूयॉर्क की जीत के लिए काफी नहीं रहा।

दीपिका के नाम पर फिर फैलाईगई फेक पोस्ट

सोनम वांगचुक के समर्थन वाले वायरल स्क्रीनशॉट की खुली पोल

यूनिक समय, नई दिल्ली। एंटरटेनमेंट डेस्क। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में इंस्टाग्राम स्टोरी साझा की थी और बाद में उसे डिलीट कर दिया। हालांकि जांच में यह दावा पूरी तरह फर्जी निकला है। वायरल स्क्रीनशॉट में दीपिका के नाम से एक भावनात्मक संदेश दिखाया गया है, लेकिन उनके आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर ऐसा कोई पोस्ट कभी मौजूद नहीं था। जांच में सामने आया कि स्क्रीनशॉट को एडिट कर भ्रामक तरीके से तैयार किया गया है। यह पहली बार नहीं है जब दीपिका के नाम पर फर्जी पोस्ट वायरल हुई हो। इससे पहले भी उनके नाम से फिल्म रिव्यू और राजनीतिक संदेशों वाले कई झूठे स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर फैलाए जा चुके हैं। इस बीच, सोनम वांगचुक नीट–यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर–मंतर पर अनशन कर रहे हैं। उन्हें अनुराग कश्यप, नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, स्वारा भास्कर और अभय देओल समेत कई फिल्मी हस्तियों का समर्थन मिला है। वहीं दिल्ली हाई कोर्ट ने भी उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए जरूरत पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

'रामायण' ट्रेलर से पहले रणबीर कपूर की बिगड़ी तबीयत

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुपरस्टार रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण पार्ट–1' का ट्रेलर 18 जुलाई को दिल्ली में लॉन्च होने जा रहा है। लेकिन इस बड़े इवेंट से पहले अभिनेता की तबीयत बिगड़ने की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रणबीर कपूर कंजंक्टिवाइटिस (आंखों का संक्रमण) से पीड़ित हो गए हैं। बताया जा रहा है कि यह संक्रमण उनकी बेटी राहा कपूर से फैला, जिन्हें पहले यह समस्या हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, रणबीर बेटी की देखभाल के दौरान उनके लगातार संपर्क में रहे, जिसके कारण उन्हें भी संक्रमण हो गया। हालांकि, अभिनेता अपनी प्रोफेशनल जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटना चाहते। बताया जा रहा है कि वह 18 जुलाई को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में शामिल होंगे। संक्रमण से बचाव के लिए वह काला चश्मा पहनकर नजर

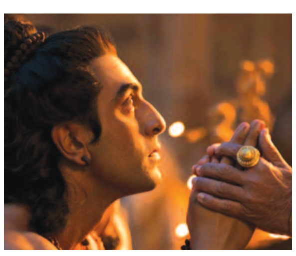

रिपोर्ट्स के मुताबिक बेटी राहा से फैला आंखों का संक्रमण

आ सकते हैं। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' दो भागों में रिलीज होगी। पहला पार्ट दीवाली 2026 पर सिनेमाघरों में आएगा, जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्रीराम, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में दिखाई देंगे।

'फौजी' बन दुश्मनों पर टूटेंगे प्रभास, दमदार पोस्टर के साथ रिलीज डेट का ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इन दिनों अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के नाम से एक कथित इंस्टाग्राम स्टोरी का स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में दावा किया गया कि दीपिका ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन का समर्थन करते हुए एक भावुक संदेश साझा किया था और बाद में उसे डिलीट कर दिया। हालांकि, जांच में यह दावा पूरी तरह झूठा और भ्रामक साबित हुआ है। दीपिका के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर ऐसा कोई पोस्ट कभी मौजूद नहीं था। वायरल स्क्रीनशॉट में दीपिका के नाम से लिखा गया था कि "वह उपवास कर रहे हैं और हम सिर्फ स्क्रॉल कर रहे हैं।" इसके साथ लोकतंत्र और राजनीतिक नेतृत्व को लेकर भी कई टिप्पणियां दिखाई गईं। लेकिन फैक्ट चेक में सामने आया कि स्क्रीनशॉट को एडिट कर तैयार किया गया था। इसमें इस्तेमाल किए गए फॉन्ट,

लेआउट और इंटरफेस भी इंस्टाग्राम के वास्तविक स्वरूप से मेल नहीं खाते यह पहला मौका नहीं है जब दीपिका पादुकोण के नाम का इस्तेमाल कर फर्जी कंटेंट फैलाया गया हो। इससे पहले भी उनके नाम से एक कथित फिल्म रिव्यू वायरल हुआ था, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने रणवीर सिंह की फिल्म की तारीफ की है। बाद में वह स्क्रीनशॉट भी पूरी तरह मनगढ़ंत निकला था। सोशल मीडिया पर इस तरह की एडिटेड तस्वीरें और पोस्ट अक्सर लोगों को भ्रमित करने के लिए तैयार किए जाते हैं। उधर, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक इन दिनों दिल्ली के जंतर–मंतर पर नीट–यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर अनशन पर बैठे हैं। उनकी मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उनके आंदोलन को कई फिल्मी हस्तियों का समर्थन भी मिल रहा है। फिल्म निर्माता

प्रभास की पीरियड एक्शन–ड्रामा फिल्म 'फौजी' की रिलीज डेट घोषित

अनुराग कश्यप, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, अभय देओल, स्वारा भास्कर, रुबीना दिलैक, जीनत अमान और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार खुलकर उनके पक्ष में सामने आए हैं।

सोनम वांगचुक की लगातार बिगड़ती सेहत को देखते हुए मामला दिल्ली हाई कोर्ट तक पहुंच चुका है। सुनवाई के दौरान अदालत ने उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और कहा कि जीवन सबसे महत्वपूर्ण है। कोर्ट ने प्रशासन को निर्देश दिया कि यदि वांगचुक को किसी भी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता हो तो उन्हें तुरंत उपलब्ध कराई जाए।

अर्जेंटीना ने सेमीफाइनल में जीत के जश्न के दौरान की बड़ी गलती

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। दूसरे सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को 2–1 से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह पक्की कर ली। अब खिताबी मुकाबले में उसका सामना स्पेन से होगा। हालांकि शानदार जीत के बाद टीम के जश्न ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। मैदान पर खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए एक बैनर को लेकर अब काअ की संभावित कार्रवाई की चर्चा तेज हो गई है। मैच समाप्त होने के बाद अर्जेंटीना के मिडफील्डर जियोवानी लो सेल्सो और अनुभवी डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने मैदान पर लिखा हुआ बैनर लहराया। इस वाक्य का अर्थ है, "माल्विनास (फॉकलैंड द्वीप) अर्जेंटीना के हैं।" यह संदेश सीधे तौर पर फॉकलैंड द्वीप पर अर्जेंटीना के दावे से जुड़ा है, जिसे ब्रिटेन अपना क्षेत्र मानता है। इसी वजह से इसे राजनीतिक संदेश माना जा रहा है। फुटबॉल के वैश्विक नियमों के अनुसार मैदान के भीतर किसी भी

प्रकार के राजनीतिक, धार्मिक या वैचारिक संदेशों का प्रदर्शन प्रतिबंधित है। इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (काअइ) और दोनों ने इस संबंध में स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी किए हैं। नियमों के मुताबिक यदि कोई खिलाड़ी, टीम या अधिकारी मैच के दौरान या उसके तुरंत बाद राजनीतिक संदेश वाले बैनर, झंडे या प्रतीकों का प्रदर्शन करता है तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इसमें जुर्माना, चेतावनी या अन्य दंडात्मक कदम भी शामिल हो सकते हैं। फॉकलैंड द्वीप, जिसे अर्जेंटीना लास माल्विनास कहता है, दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित ब्रिटिश ओवरसीज टेरिटरी है। इस क्षेत्र को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। वर्ष 1982 में इस मुद्दे पर अर्जेंटीना और ब्रिटेन के बीच युद्ध भी हुआ था, जिसमें ब्रिटेन विजयी रहा।

इसके बावजूद अर्जेंटीना आज भी इस द्वीप पर अपना दावा कायम रखता है और समय–समय पर यह मुद्दा राजनीतिक एवं कूटनीतिक चर्चाओं

सेमीफाइनल जीत के बाद अर्जेंटीना खिलाड़ियों ने दिखाया विवादित बैनर

में उठता रहता है। अर्जेंटीना की टीम के लिए यह मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि फाइनल मुकाबला बेहद करीब है। यदि काअ इस घटना को नियमों का उल्लंघन मानता है तो खिलाड़ियों या टीम प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। हालांकि अब तक काअ की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटना की समीक्षा की जा सकती है दूसरी ओर, अर्जेंटीना के प्रशंसक अपनी टीम के फाइनल में पहुंचने से बेहद उत्साहित हैं। कप्तान और खिलाड़ियों का लक्ष्य अब लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतकर इतिहास रचना है। लेकिन फाइनल से पहले यह विवाद टीम के लिए अनचाहा दबाव जरूर पैदा कर सकता है।

गिल फिट, लेकिन एक खिलाड़ी पर सस्पेंस बरकरार

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला आज खेला जाएगा। पहला मैच जीतकर टीम इंडिया ने सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली है और अब उसकी नजर मुकाबला जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होगी। मैच से पहले सबसे बड़ा सवाल टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर था, लेकिन कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस ने भारतीय टीम को बड़ी राहत दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक गिल अब पूरी तरह फिट हैं और दूसरे वनडे में मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं पहले वनडे में शुभमन गिल शानदार लय में नजर आए थे।

उन्होंने 80 रन की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन बल्लेबाजी के दौरान चोट लगने के कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। उस समय ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से शतक पूरा कर सकते थे, लेकिन चोट ने उनकी पारी रोक दी। अब मेडिकल टीम से फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद उनके खेलने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। हालांकि तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को लेकर अभी भी स्थिति स्पष्ट

नहीं है। पहले मुकाबले में उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट किया था और भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई थी। लेकिन मैच के दौरान उन्हें भी चोट लगी थी। टीम प्रबंधन ने अभी तक उनकी फिटनेस पर कोई आधिकारिक अपडेट नहीं दिया है। यदि गुरनूर उपलब्ध नहीं होते हैं तो टीम इंडिया के पास अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव जैसे विकल्प मौजूद हैं, जिनमें से किसी एक को अंतिम एकादश में मौका मिल सकता है। भारतीय बल्लेबाजी की बात करें तो पहले मैच में जीत के बावजूद रोहित शर्मा और विराट कोहली का बल्ला नहीं चला था। रोहित केवल 11 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि विराट कोहली सिर्फ 5 रन ही बना सके।

150 करोड़ की संपत्ति बनी खूनी रिश्ते की वजह

सनसनी : बेटे ने पिता को छह गोलियां मारकर दी मौत

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर में संपत्ति विवाद ने एक परिवार को तबाह कर दिया। 150 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर हुए विवाद में बेटे ने अपने ही पिता को गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी बेटे ने पिता पर छह गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान हरिओम चौधरी (52) के रूप में हुई है। वह बुदाना गांव के रहने वाले थे और खेती के साथ प्रॉपर्टी का कारोबार करते थे। बताया जा रहा है कि उनके पास करीब 75 बीघा जमीन और दिल्ली-मेरठ रोड पर एक मार्केट थी। उनकी कुल संपत्ति लगभग 150 करोड़ रुपये आंकी जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, हरिओम का बड़ा बेटा निखिल (32) संपत्ति अपने

बेटा (आरोपी) पिता (मृतक)

नाम कराने का दबाव बना रहा था। पिता को डर था कि बेटा जमीन बेचकर शराब और अन्य गलत आदतों में पैसा बर्बाद कर देगा। इसी वजह से दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था।

वारदात वाली रात निखिल शराब पीकर घर पहुंचा। पिता ने उसे डांटा तो दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि निखिल ने कथित तौर पर पिस्टल निकालकर पिता पर गोलियां चला दीं। गोली लगने से हरिओम गंभीर रूप से घायल हो गए।

मां की चीख से दहल उठा पूरा घर

परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पति का शव देखकर पत्नी मीनाक्षी चीख उठीं और बेटे से कहा कि उसने पूरा घर उजाड़ दिया। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

पुलिस जांच में सामने आया है कि निखिल पहले भी हिंसक घटना को अंजाम दे चुका है।

करीब आठ साल पहले उसने अपने छोटे भाई पर भी गोली चलाई थी, हालांकि उसकी जान बच गई थी। फिलहाल पुलिस की कई टीमें आरोपी की तलाश में जुटी हैं।

सिपाही ने सर्विस राइफल से गोली मारकर की आत्महत्या

यूनिक समय, बुलंदशहर। बुलंदशहर के औरंगाबाद क्षेत्र में तैनात एक सिपाही ने गुरुवार तड़के अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक सिपाही सुधीर ठाकुर (25) की सुसाइड से पहले की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आई है, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए थाने के एसओ और मुंशी को जिम्मेदार ठहराया है।

परिजनों के अनुसार, सुधीर ने आत्महत्या से पहले ऑडियो संदेश भेजा था। इसमें उसने ड्यूटी के दौरान परेशानी, कथित दुर्व्यवहार और मानसिक दबाव का जिक्र किया है। उसने आरोप लगाया कि उसकी शिकायतों को नजरअंदाज किया गया और उसके साथ गलत व्यवहार हुआ।

पुलिस के मुताबिक, घटना से पहले सुधीर काफी तनाव में था। साथी सिपाही सौरभ ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन उसने हवा में फायरिंग कर दी। इसके बाद उसने खुद को गोली मार ली।

मौत से पहले सिपाही का ऑडियो वायरल, बोले– मुझे किया गया परेशान

एसओ और मुंशी पर प्रताड़ना के आरोप

सुधीर मूल रूप से आगरा के इरादतनगर क्षेत्र का रहने वाला था और करीब तीन महीने पहले ही पुलिस सेवा में भर्ती हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। ऑडियो की सत्यता और लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी फिर जेल भेजे गए

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस की पूछताछ पूरी होने के बाद दोनों आरोपियों को दोबारा जिला जेल भेज दिया गया है। कस्टडी रिमांड के दौरान पुलिस ने आरोपियों से कई अहम जानकारियां जुटाईं और कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए हैं।

आरोपी रमाशंकर मिश्रा और गणना प्रभारी रहे सुभाष श्रीवास्तव को पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया था। पुलिस के अनुसार, रमाशंकर मिश्रा के पास से नकदी बरामद की गई है। इसके अलावा उसके घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और डीवीआर भी जांच के लिए कब्जे में लिए गए हैं।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों से चढ़ावा चोरी की घटना से जुड़े कई पहलुओं पर सवाल किए गए। पुलिस

ने मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए घटनाक्रम से जुड़े तकनीकी साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया।

वहीं सुभाष श्रीवास्तव को राम मंदिर ले जाकर गणना प्रक्रिया को दोहराया गया और ड्यूटी रजिस्टर की जांच की गई। अधिकारियों ने जिम्मेदारियों और कार्यप्रणाली से जुड़ी जानकारी भी जुटाई। पुलिस अब मामले में शामिल अन्य आरोपियों रामशंकर यादव टिन्नू और मनीष यादव की कस्टडी रिमांड लेने की तैयारी कर रही है। जांच एजेंसियां सभी पहलुओं की पड़ताल में जुटी हैं।

नोएडा में अवैध इमारतों का जाल, सुरक्षा पर उठे सवाल

यूनिक समय, रामपुरा। नोएडा के सेक्टर-66 मामूरा में पांच मंजिला इमारत में लगी भीषण आग ने शहर में तेजी से बढ़ रहे अवैध निर्माणों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे में दो लोगों की मौत हुई, जबकि सौ से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जांच में सामने आया कि जिस इमारत में आग लगी, वहां न फायर एनओसी थी और न ही स्वीकृत नक्शा।

मामूरा समेत नोएडा के कई गांवों में नियमों को दरकिनार कर बहुमंजिला इमारतें, पीजी और फ्लैट बनाए जा रहे हैं। बढ़ती आबादी और महंगे किराये के कारण इन अवैध इमारतों का कारोबार तेजी से बढ़ा है। मकान मालिकों और बिल्डरों को आर्थिक फायदा तो मिल रहा है, लेकिन सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी लोगों की जान जोखिम में डाल रही है।

ममूरा अग्निकांड ने खोली लापरवाही की पोल,बिना एनओसी चल रहे कई निर्माण

2010 में गांवों के लिए भवन नियमावली बनाई गई थी, जिसमें सीमित मंजिल और सुरक्षा मानकों का पालन जरूरी था। इसके बावजूद अब तक अधिकांश निर्माण बिना अनुमति के खड़े हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी इमारतों में आपात निकास, फायर सिस्टम, पर्याप्त रास्ते और अन्य सुरक्षा सुविधाओं की कमी होती है। प्राधिकरण का कहना है कि अवैध निर्माणों के खिलाफ समय-समय पर कार्रवाई की जाती है और नई भवन नियमावली तैयार की जा रही है।

मैनपुरी में बुखार का कहर मासूम बच्ची सहित दो की मौत

यूनिक समय, मैनपुरी। मौसम में बदलाव के साथ उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में बुखार के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। बुखार से पीड़ित 10 माह की कुपोषित बच्ची और एक वृद्धा की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है।

जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले 24 घंटे में विभिन्न बीमारियों से पीड़ित 21 मरीजों को भर्ती कराया गया, जबकि दो गंभीर मरीजों को मेडिकल कॉलेज सैफई रेफर किया गया।

एलाऊ थाना क्षेत्र के तारापुर गांव निवासी 10 माह की बच्ची काव्या को बुखार और कुपोषण की स्थिति में पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर उसे इमरजेंसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं बिछवां क्षेत्र के सूरजपुर गांव निवासी 75 वर्षीय हरप्यारी को कई दिनों से बुखार था। हालत खराब होने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत

मौसम बदलाव से बढ़े बुखार के मरीज

अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की भारी भीड़

घोषित कर दिया।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, बच्ची बुखार के साथ खून की कमी से भी जूझ रही थी। डॉक्टरों ने लोगों से बदलते मौसम में सावधानी बरतने और समय पर इलाज कराने की अपील की है।

यूपी में फिर सक्रिय हुआ मानसून

36 जिलों में बारिश का अलर्ट, नदियां उफान पर

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। गुरुवार सुबह से राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 36 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ घंटों में अमेठी, बाराबंकी, हरदोई, लखनऊ रायबरेली, सीतापुर और उन्नाव में तेज बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

लखनऊ बाराबंकी और जौनपुर समेत करीब 10 शहरों में सुबह से बारिश हो रही है। लखनऊ में कई इलाकों की सड़कों पर जलभराव हो गया, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं बाराबंकी में तेज हवाओं के बाद जोरदार बारिश हुई। पहाड़ी क्षेत्रों में हो

रही बारिश का असर यूपी की नदियों पर भी दिख रहा है।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से दशाश्वमेध घाट की तीन सीढ़ियां पानी में डूब गई हैं। हालांकि गंगा अभी खतरे के निशान से काफी नीचे बह रही है। मथुरा में यमुना नदी भी उफान पर है और वृंदावन के केशीघाट की सीढ़ियां जलमग्न हो गई हैं। बलिया में घाघरा नदी के कटान ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बांसडीह क्षेत्र में कई परिवार अपने पक्के मकान खुद तोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हैं। अब तक करीब 150 परिवार घर छोड़ चुके हैं।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल

बारिश ने बढ़ाई मुश्किलें, कई इलाकों में जलभराव

नदियों के बढ़ते जलस्तर से तटीय क्षेत्रों में चिंता

की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र मजबूत हो रहा है। इसके प्रभाव से 17 जुलाई के बाद यूपी में मानसून और सक्रिय होने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश समेत कई हिस्सों में अच्छी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम में सावधानी बरतने, जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने और प्रशासन की गाइडलाइन का पालन करने की सलाह दी है।

जौहर विश्वविद्यालय पर बढ़ा संकट, 38 भवनों पर कार्रवाई

यूनिक समय, रामपुर। रामपुर के जौहर विश्वविद्यालय पर अवैध निर्माण मामले में शिकंजा और कस गया है। रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) ने विश्वविद्यालय प्रशासन के जवाब को ही कार्रवाई का आधार बनाया है। प्राधिकरण के अनुसार, विश्वविद्यालय ने दो भवनों के लिए जिला पंचायत से अनुमति ली थी, जबकि परिसर में बने अन्य 38 भवन बिना स्वीकृति के तैयार किए गए।

आरडीए का कहना है कि जब दो निर्माणों के लिए अनुमति ली जा सकती थी, तो बाकी भवनों के लिए नियमों का पालन क्यों नहीं किया गया। इसी आधार पर इन भवनों को अवैध मानते हुए कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मास्टर प्लान और अन्य कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखा था, लेकिन प्राधिकरण ने इन तर्कों को

छात्रों की चिंता बढ़ी आगे की राह

स्वीकार नहीं किया। अब विश्वविद्यालय के पास हाईकोर्ट जाने या नियमों के अनुसार निर्माण को वैध कराने का विकल्प मौजूद है।

इस बीच, 2500 से अधिक छात्रों और उनके अभिभावकों में चिंता बढ़ गई है। छात्रों को पढ़ाई, परीक्षाओं और भविष्य को लेकर परेशानी की आशंका सता रही है। प्रशासन से शैक्षणिक गतिविधियों को प्रभावित न होने देने की मांग की जा रही है।

बंगाल की खाड़ी में हादसे से मची सनसनी

500 से अधिक रोहिंग्याओं के डूबने की आशंका

दो नावों के डूबने से बढ़ी वैश्विक चिंता

लापता लोगों की तलाश में जुटी बचाव एजेंसियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में रोहिंग्या शरणार्थियों को लेकर जा रही दो नावों के समुद्र में हादसे का शिकार होने की खबर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, इस भीषण समुद्री दुर्घटना में 500 से अधिक लोगों के लापता होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अभी तक मृतकों या जीवित बचे लोगों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जानकारी के मुताबिक, दोनों नावें म्यांमार के पश्चिमी राज्य रखाइन से जून के अंतिम सप्ताह में रवाना हुई थीं। इनमें बड़ी संख्या में रोहिंग्या समुदाय के लोग सवार थे। कुछ यात्री बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों से भी शामिल हुए थे। बेहतर जीवन की उम्मीद और हिंसा से बचने की कोशिश में इन लोगों ने खतरनाक समुद्री रास्ते का सहारा लिया था। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, पहली नाव में करीब 250 लोग सवार थे। समुद्र में जाने के कुछ समय बाद ही नाव से संपर्क टूट गया और उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पाया है।

वहीं दूसरी नाव में लगभग 280 लोग सवार बताए जा रहे हैं। यह नाव 8 जुलाई को म्यांमार के अयेयारवाडी तट के पास समुद्र में डूबने की आशंका है। दोनों घटनाओं को मिलाकर करीब 530 लोग लापता बताए जा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यदि शुरुआती रिपोर्ट सही साबित होती हैं, तो यह हाल के वर्षों की सबसे गंभीर समुद्री त्रासदियों में से एक हो सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, रोहिंग्या शरणार्थी अक्सर संघर्ष और असुरक्षा से बचने के लिए जोखिम भरे समुद्री मार्ग अपनाते हैं। मानसून के दौरान बंगाल की खाड़ी का समुद्र बेहद खतरनाक हो जाता है। क्षमता से अधिक यात्रियों को लेकर चलने वाली नावें ऐसे मौसम में दुर्घटना का आसान शिकार बन जाती हैं।

फिलहाल राहत और बचाव एजेंसियां लापता लोगों की तलाश में जुटी हैं और हादसे की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

अगले सात दिन में 22 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 22 राज्यों में अगले सात दिनों तक बारिश, तेज हवाओं और कई क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। इसका असर पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर राज्यों, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में देखने को मिल सकता है।

बिहार में 16 से 20 जुलाई के बीच लगातार बारिश की संभावना है, जबकि उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा हो सकती है।

पुरी रथयात्रा पर भी मौसम का खतरा मंडराया

ओडिशा में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली, राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश और तेज हवाओं का असर रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग ने पुरी में चल रही भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भी बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन और श्रद्धालुओं को मौसम को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी गई है। लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और जलभराव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने की अपील की गई है।

होर्मुज में खतरा बढ़ा,भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोक

डीजीएए ने जारी की नई सुरक्षा एडवाइजरी

तनावपूर्ण समुद्री क्षेत्र में बढ़ाई गई सतर्कता

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। महानिदेशालय समुद्री प्रशासन ने जहाज मालिकों और भर्ती एजेंसियों को सलाह दी है कि अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की तैनाती से बचें।

डीजीएए ने फारस की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में संचालित जहाजों के कप्तानों को सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नेविगेशन चेतावनियों और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों पर नजर रखने को कहा गया है।

यह एडवाइजरी हाल ही में दो जहाजों पर हुए हमलों के बाद जारी की गई है, जिनमें कई भारतीय नाविक प्रभावित हुए थे। एक भारतीय नाविक की मौत और कई के घायल होने की घटना के बाद सरकार ने सतर्कता बढ़ाई है।

केंद्र सरकार भारतीय नाविकों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए रियल-टाइम निगरानी प्रणाली विकसित करने की तैयारी कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा हालात में नाविकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

15 काली स्कॉर्पियो में पहुंचे बदमाश ठेकेदार से मांगी दो लाख की रंगदारी

काफिले में पहुंचे बदमाशों ने मचाया हड़कंप

सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की तलाश जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के गुरुग्राम में दबंगई और रंगदारी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। गैंगस्टर कौशल चौधरी गैंग के नाम पर एक ठेकेदार को धमकी देकर पैसे मांगने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, पानी और मिट्टी सप्लाई का काम करने वाले ठेकेदार की साइट पर 15 से ज्यादा काली स्कॉर्पियो गाड़ियों में करीब 50 से 60 युवक पहुंचे। सीसीटीवी फुटेज में कई एसयूवी गाड़ियां रुकती और उनमें से युवकों के उतरने का दृश्य कैद हुआ है। आरोप है कि बदमाशों ने ठेकेदार के सुपरवाइजर को धमकाते हुए कहा कि काम करना है तो हिस्सा देना होगा, वरना गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। बदमाशों ने गैंगस्टर कौशल चौधरी का नाम लेकर प्रोटेक्शन मनी की मांग की।

पीड़ित ठेकेदार ने राजेंद्रा पार्क थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, ठेकेदार ने खुद और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

दुर्ग-रायपुर हाईवे पर हादसा स्कूटी सवार चार लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुर्ग-रायपुर नेशनल हाईवे पर गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कुम्हारी इलाके में तेज रफ्तार स्कूटी सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में स्कूटी सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, स्कूटी पर कुल पांच लोग सवार थे। मृतकों में अमृत निर्मलकर (28), लक्ष्मी निर्मलकर (26) और दो बच्चे यासना (7) व डॉली (4) शामिल हैं। घायल आठ वर्षीय भावेश निर्मलकर को इलाज के लिए रायपुर एम्स में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि परिवार पूजा कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर जा रहा था। इसी दौरान हाईवे पर खड़े ट्रैक्टर से स्कूटी पीछे से जा भिड़ी। ट्रैक्टर पर ऑक्सीजन सिलिंडर लदे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर चालक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की वजह माना जा रहा है।

कुडनकुलम परमाणु संयंत्र डेटा लीक का दावा,जांच में जुटी एजेंसियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के प्रमुख परमाणु ऊर्जा संयंत्र कुडनकुलम से जुड़े कथित संवेदनशील दस्तावेज डार्क वेब पर लीक होने का दावा सामने आया है। रिपोर्टों के अनुसार, रैनसमवेयर समूह वर्ल्ड लीक्स ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी हजारों फाइलें सार्वजनिक करने का दावा किया है। हालांकि, इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की अभी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि कथित लीक डेटा में परियोजना से जुड़े ब्लूप्रिंट, सप्लायर जानकारी, बैठक रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी दस्तावेज शामिल हैं। रिपोर्ट में करीब 8.58 लाख फाइलों के लीक होने का दावा किया गया है, जिनमें कुछ दस्तावेजों को संवेदनशील बताया गया है।

पुरी में रथों पर सवार हुए भगवान,उमड़ा आस्था का महासागर

लाखों भक्तों ने किए जगन्नाथ भगवान के दर्शन

तीनों रथों संग शुरू हुई पावन यात्रा

यूनिक समय, नई दिल्ली। विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारंभ गुरुवार को ओडिशा के पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से हुआ। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के पावन अवसर पर शुरू हुई इस ऐतिहासिक यात्रा में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए पुरी पहुंचे।

धार्मिक अनुष्ठानों के बाद भगवान जगन्नाथ नंदीघोष रथ, भगवान बलभद्र तालध्वज रथ और देवी सुभद्रा दर्पदलन रथ पर विराजमान हुए। इसके बाद भक्तों ने मोटी रस्सियों से तीनों रथों को खींचते हुए गुंडिचा मंदिर की ओर प्रस्थान कराया। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह और भक्ति का माहौल देखने लायक रहा।

रथ यात्रा से पहले तीनों रथों की विधिवत पूजा और प्रतिष्ठा की गई। नंदीघोष रथ पर श्रीहनुमान, तालध्वज रथ पर श्रीनृसिंह और दर्पदलन रथ पर मां भुवनेश्वरी की स्थापना वैदिक मंत्रोच्चार और हवन के साथ की गई।

जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारी कई महीनों पहले शुरू हो जाती है। हर वर्ष तीनों रथ नए बनाए जाते हैं। बसंत पंचमी से शुभ लकड़ियों का चयन शुरू होता है और अक्षय तृतीया के दिन रथ निर्माण का शुभारंभ किया जाता है। खास बात यह है कि रथ निर्माण में लोहे की कीलों का उपयोग नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक लकड़ी के जोड़ और रस्सियों का इस्तेमाल किया जाता है।

भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ करीब 45.6 फीट ऊंचा और 16 पहियों वाला होता है। भगवान बलभद्र का तालध्वज रथ लगभग 45 फीट ऊंचा और 14 पहियों वाला, जबकि देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ करीब 44.6 फीट ऊंचा और 12 पहियों वाला होता है।

इस बार प्रसिद्ध गायक सोनू निगम सहित कई श्रद्धालु इस दिव्य यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के समापन के बाद परंपरा के अनुसार रथों की पवित्र लकड़ी का उपयोग मंदिर की विशाल रसोई में महाप्रसाद बनाने के लिए किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रथ यात्रा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

पाकिस्तान में गेहूं संकट गहराया 45 आटा मिलों पर ताला संकट

यूनिक समय, नई दिल्ली। आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे पाकिस्तान में अब गेहूं की आपूर्ति बाधित होने से आटे का संकट गहराने लगा है। इस्लामाबाद, रावलपिंडी समेत कई शहरों में आटा मिलों के सामने उत्पादन रोकने की स्थिति बन गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पंजाब प्रांत के खाद्य विभाग ने गेहूं की आपूर्ति और परिवहन परमिट अचानक रोक दिए हैं। इसके चलते करीब 45 आटा मिलों में गेहूं का भंडार तेजी से खत्म हो रहा है। यदि जल्द आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो कई शहरों में आटे की कमी बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि पहले इस्लामाबाद और रावलपिंडी के लिए लगभग 8 हजार टन गेहूं की नियमित आपूर्ति होती थी, लेकिन परमिट रुकने से पूरी सप्लाई चेन प्रभावित हो गई है। पाकिस्तान फ्लोर मिल्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि संकट लंबा खिंचने पर आटे की कालाबाजारी और कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। पहले से महंगाई से परेशान लोगों की मुश्किलें और बढ़ने की आशंका है।

जिले में बेखौफ दौड़ रहे बिना हेलमेट बाइक चालक

नियमों को ताक पर रखकर बिना हेलमेट वाहन चला रहे दोपहिया चालक।

यूनिक समय, मथुरा। शहर में दोपहिया वाहन चालकों की लापरवाही लगातार बढ़ती जा रही है। बिना हेलमेट बाइक चलाना और एक ही बाइक पर तीन-चार लोगों को बैठाकर सफर करना अब आम बात बन गई है। हैरानी की बात यह है कि यह सब शहर के सबसे व्यस्त चौराहों पर हो रहा है, जहां सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और पुलिस भी तैनात रहती है।

तीन सवारी बैठाकर भी नहीं डर रहे लोग

भूतेश्वर चौराहे पर खुलेआम तोड़ रहे यातायात नियम

कैमरे और पुलिस के सामने भी नहीं रुक रही लापरवाही

शनिवार को भूतेश्वर चौराहे पर कई बाइक चालक बिना हेलमेट के तेज रफ्तार से निकलते दिखाई दिए। वहीं कई लोग एक बाइक पर तीन सवारी बैठाकर आराम से गुजरते रहे। किसी के चेहरे पर नियम तोड़ने का डर नहीं दिखा। कैमरों और पुलिस की मौजूदगी के बावजूद लोग खुलेआम यातायात नियमों की अनदेखी करते रहे। सड़क पर चलते समय हेलमेट पहनना और नियमों का पालन करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है, लेकिन लोग इसे नजरअंदाज कर अपनी और दूसरों की जान खतरे में डाल रहे हैं। सड़क हादसों में हेलमेट न पहनने वालों की जान जाने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। इसके बावजूद लोग अपनी आदत बदलने को तैयार नहीं हैं। नियम तोड़ने वालों के चालान किए जाएं। केवल कैमरे लगाने से व्यवस्था नहीं सुधरेगी। जरूरत है कि लगातार कार्रवाई हो, ताकि लोगों में नियमों का पालन करने का डर बना रहे।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई बार कानून का पालन कराने वाले लोग भी बिना हेलमेट वाहन चलाते नजर आते हैं। यातायात पुलिस कई बार ऐसे वाहन चालकों को रोकने की कोशिश करती है, लेकिन तेज रफ्तार के कारण कई लोग पुलिस की नजर से बचकर निकल जाते हैं। यातायात नियम लोगों की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। हेलमेट पहनने और एक बाइक पर दो लोगों से ज्यादा सवारी न बैठाने जैसे नियमों का पालन करने से कई हादसों को रोका जा सकता है। यदि लोग समय रहते नहीं सुधरे तो छोटी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

एटीएम से निकाली रकम के साथ साइबर ठग गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस और साईबर सैल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करके साइबर फ्रॉड करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से साइबर फ्राड के 1.25 लाख रुपये, 23 एटीएम कार्ड, दो एंड्रायड मोबाइल और एक बाइक बरामद की है। बरामद रुपयों को आरोपित ने बैंक से निकाला था।

सीओ सिटी आशना चौधरी ने बताया कि कोतवाली पुलिस और साईबर सैल टीम ने बीएसए कालेज की पुलिया के पास से एक साइबर अपराधी जसमीर सिंह पुत्र जंगीर सिंह निवासी कुरकैन थाना नगर जनपद डींग, राजस्थान को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आरोपित के पास एक लाख पच्चीस हजार रुपये की नकदी और साइबर फ्राड में प्रयुक्त अलग- अलग बैंकों के 23 एटीएम कार्ड, दो एंड्रायड मोबाइल फोन और मोटर साइकिल बरामद की है। अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि वह अपने दो साथी हारिस

बरामद नकदी और अन्य सामग्री के साथ पुलिस गिरफ्त में साइबर अपराधी।

और जाहुल के साथ मिलकर साइबर ठगी का काम करता है। जनता से साइबर धोखाधड़ी करके उनके बैंक खातों से रुपये निकाल लेते हैं। उसके पास से जो 23 एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं, ये अलग–अलग लोगों के खातों के हैं। साथी हारिस और जाहुल दोनों लवान थाना सीकरी जनपद डींग के रहने वाले हैं। ये लोग साइबर ठगी का पैसा इन एटीएम कार्ड से जुड़े खातों में डलवाते हैं। पैसा खाते में ट्रांसफर होते ही दोनों मुझे व्हाट्सएप काल के जरिए सूचना देते हैं और बताते हैं कि किस एटीएम कार्ड से कितना पैसा

पुलिस को मिली सफलता, चार एटीएम से निकाली थी 1.25 लाख की धनराशि

23 एटीएम, दो एंड्रायड मोबाइल बरामद, दो साथियों के नाम भी पुलिस को बताए

निकालना है। इसके बाद उनके निर्देशों के आधार पर एटीएम बूथ पर जाकर पैसे निकालता हूं। अपना हिस्सा रखकर बाकी पैसा उन्हें पहुंचा देता हूं। आज भी विशाल मेगा मार्ट के उपर वाले बैंक ऑफ महाराष्ट्र के एटीएम बूथ से ये 1,25,000 रुपये चार अलग-अलग एटीएम कार्ड से निकाले थे। पुलिस अब उसके दोनों साथियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

राकेश तिवारी एडवोकेट बने श्री माथुर चतुर्वेदी परिषद के संरक्षक

यूनिक समय,मथुरा। श्री माथुर चतुर्वेदी परिषद ने वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश तिवारी को संस्था का नया संरक्षक मनोनीत किया है। इससे पहले वह वर्ष 2007 से परिषद में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक के मार्गदर्शन में लंबे समय तक संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई है। संरक्षक बनाए जाने पर राकेश तिवारी ने कहा कि परिषद ने उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वह समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने इस अवसर पर शुभकामनाएं देने वाले सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में माथुर चतुर्वेद संस्कृत महाविद्यालय के न्यास और प्रबंधन से जुड़े हैं। वह ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी हैं। वह सिविल लॉयर्स फोरम के वर्तमान उपाध्यक्ष होने के साथ–साथ कई सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

अडींग के दो युवाओं का उप निरीक्षक पद पर चयन

यूनिक समय, मथुरा। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित डिजिटल लाइब्रेरी अब युवाओं के सपनों को नई उड़ान दे रही हैं। ग्राम पंचायत अडींग की ज्ञानम ज्योति डिजिटल लाइब्रेरी से पढ़ाई कर टीटू शर्मा और मनीष यादव का उत्तर प्रदेश सरकार में उप निरीक्षक पद पर चयन हुआ है।

इस उपलब्धि पर सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने दोनों युवाओं को सम्मानित करते हुए कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए सफलता का मजबूत माध्यम बन रही हैं। दोनों के पुलिस उप निरीक्षक के पद पर चयनित होने पर सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने डीपीआरओ धनंजय जायसवाल की उपस्थिति में अपने कार्यालय में बधाई पत्र देकर सम्मानित किया। सीडीओ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को बेहतर अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुआत की गई थी, जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगा है। वर्तमान में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 154 डिजिटल लाइब्रेरी सक्रिय रूप से संचालित हैं।

गांव की डिजिटल लाइब्रेरी ने बदली तकदीर

सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने किया सम्मानित

झूलेलाल चालिहा महोत्सव शुरू 40 दिन गूंजेगी आराधना

धार्मिक कार्यक्रम के दौरान सिंधी समाज के लोग।

यूनिक समय, मथुरा। सिंधी समाज के आराध्य वरुणावतार भगवान झूलेलाल के 40 दिवसीय चालिहा महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। महोत्सव के दौरान समाज के श्रद्धालु लगातार 40 दिनों तक व्रत, पूजा, आरती और धार्मिक अनुष्ठान करेंगे। प्रतिदिन सुबह नौ बजे और शाम पांच बजे आरती और पूजा का आयोजन होगा।

गोवर्धन रोड स्थित कृष्णा ऑर्चिड के मंदिर से भगवान झूलेलाल की प्रतिमा के साथ कलश यात्रा निकाली गई। इसके बाद सिंधी महाराज स्वामी पंडित मोहनलाल शर्मा के निवास पर सजे दरबार में प्रतिमा की स्थापना, अखंड ज्योति प्रज्वलन और आरती–पूजन संपन्न हुआ। श्रद्धालु भजन–कीर्तन और जयकारों के बीच भक्ति में सराबोर नजर आए। मथुरा की विभिन्न सिंधी पंचायतों और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने दर्शन कर भगवान झूलेलाल से सुख–समृद्धि और मानव कल्याण की कामना की। मीडिया प्रभारी किशोर इसरानी ने बताया कि चालिहा पर्व सिंधी समाज की आस्था का प्रमुख उत्सव है, जिसमें अखंड ज्योति की विशेष पूजा–अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है।

इनरव्हील क्लब मथुरा वेस्ट ने शुरू किया साप्ताहिक योग सत्र

यूनिक समय, मथुरा। इनर व्हील क्लब मथुरा वेस्ट द्वारा मंडलाध्यक्ष डॉ. मनीषा बाजपेयी के मार्गदर्शन में 'फिट गर्ल प्रोजेक्ट' के अंतर्गत स्थानीय जैन इंटर कॉलेज में कक्षा नौ की छात्राओं के लिए साप्ताहिक योग सत्र का शुभारंभ किया गया।

उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता जाएगी। योग सत्र के माध्यम से बालिकाओं को शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के साथ–साथ तनावमुक्त जीवन जीने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। क्लब की अध्यक्ष समता भल्ला ने कहा कि नियमित योग से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता और आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। इस अवसर पर क्लब की सचिव राज भाटिया, कोषाध्यक्ष अंजू गुप्ता, आईएसओ डॉ. अंजू राठौर,गरिमा साहू सहित क्लब की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

भगवान राम से ऊपर कोई प्रशासक नहीं हो सकता: विप्र समाज

यूनिक समय, मथुरा। अयोध्या राम मंदिर में सरकार द्वारा सीईओ नियुक्त किए जाने पर ब्रज धर्माचार्य परिषद (रजि) के मुख्य संरक्षक पं. बिहारी लाल वशिष्ठ, अध्यक्ष श्री हरि सुरेशाचार्य , महामंत्री पं राजेश पाठक, हिंदू महासभा जिलाध्यक्ष छाया गौतम ने कहा है कि सरकार द्वारा सीईओ नियुक्त किए जाने पर कहा है कि भगवान राम से ऊपर कोई ऑफिसर नहीं हो सकता, इसलिए सीईओ का नाम बदलकर प्रशासनिक उपाध्यक्ष, अथवा मंदिर प्रधान सेवक रखा जाना चाहिए।

ब्रज धर्माचार्य परिषद रजि के पदाधिकारी ने श्री कृष्ण जन्मभूमि पर कुछ लोगों द्वारा नौ अगस्त को कार सेवा किए जाने के ऐलान को गलत बताया। कहा कि अभी वह समय नहीं आया है, न्यायालय में श्री कृष्ण जन्म स्थान के लिए लड़ाई जारी है, विश्वास है कि हिंदू पक्ष के समर्थन में फैसला आएगा।

ब्रज धर्माचार्य परिषद बृज सहित संपूर्ण भारतवर्ष में शांति व्यवस्था को भंग करने के पक्ष में नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शांति से जनहित में कार्य कर रहे हैं। संपूर्ण बृजवासी किसी भी प्रकार का टकराव नहीं चाहते हैं, एकता और बंधुत्व की भावना बनी रहे, यह अभी समय की मांग है। नौ अगस्त का ऐलान करने वाला व्यक्ति स्वयं ही अपने आप कभी भी समय–समय पर अपनी सुविधा अनुसार मठाधीश, महामंडलेश्वर, जगतगुरु बन जाता है, इसलिए संत समाज और बृजवासियों को उनके ऐलान पर संदेह है।

एक किलो तीन सौ ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, राया। पुलिस ने एक अभियुक्त को एक किलो तीन सौ ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। राया पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के लिए चलाए जा रहे अभियान में बिजहारी तिराहे से आगे ग्राम भरऊके समीप से चेकिंग के दौरान जुगेंद्र निवासी गढ़ी खुशाल थाना राया को एक किलो तीन सौ ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।